RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:310। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 01 जुलाई 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## 'सेना में सेवा करना सौभाग्य'

### विदाई के मौके पर जनरल द्विवेदी भावुक नजर आए

● **रिटायरमेंट पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले, सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना में चार दशक से अधिक समय तक सेना की सेवा करने वाले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय थल सेना प्रमुख का पद छोड़ दिया। अब लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ ने नए सेना प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली। विदाई के मौके पर जनरल द्विवेदी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। उन्होंने सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और देशवासियों का आभार जताया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कार्यभार छोड़ने से पहले नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद आयोजित विदाई समारोह में उन्होंने अपने चार दशक लंबे सैन्य सफर को याद किया। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल से शुरू हुआ उनका सफर अविस्मरणीय रहा और भारतीय सेना की ताकत किसी एक



व्यक्ति से नहीं, बल्कि सैनिकों, कमांडरों, पूर्व सैनिकों और देशवासियों के विश्वास से आती है।

**जनरल द्विवेदी ने अपने कार्यकाल को लेकर क्या कहा?**

विदाई समारोह में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर उच्च स्तर की तैयारी, संतुलन और सतर्कता बनाए रखी। उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर 'ऑपरेशन स्नो लेपर्ड' के तहत सेना ने पूरी मजबूती और सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। वहीं पश्चिमी सीमा पर भी सेना ने संयम और दृढ़ता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना की क्षमता और प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

**राष्ट्रीय सुरक्षा के 'न्यू नॉर्मल' पर क्या बोले जनरल द्विवेदी?**

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे पर स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। उनके अनुसार, भविष्य का युद्ध संयुक्त, एकीकृत और थिएटर आधारित होगा। इसलिए तीनों सेनाओं को मिलकर देखना, निर्णय लेना और कार्रवाई करना होगा। उन्होंने इसे भारत की सुरक्षा रणनीति का नया सामान्य यानी 'न्यू नॉर्मल' बताया।

**लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ को लेकर क्या कहा?**

कार्यभार सौंपते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने उत्तराधिकारी लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि जनरल सेठ एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, पेशेवर उत्कृष्टता और परिचालन क्षमता को आगे भी बनाए रखेगी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि उन्हें सेना के भविष्य को लेकर पूरा भरोसा है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं : मायावती

● *'ऐसे लोगों को कतई बक्शा नहीं जाना चाहिए'*

**एजेंसी**

**लखनऊ ।** बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी राम मंदिर में हुए चंदा चोरी पर जिंता जताई है। इसके साथ ही इस मामले पर राजनीति नहीं करने की भी अपील की है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,



'अयोध्या में श्रीराम मन्दिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफेरी आदि करने की मीडिया में आए दिन किस्म-किस्म की आ रही खबरें अति-गम्भीर व चिंतनीय हैं। ऐसे लोगों को कतई बक्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं है। साथ ही, अब यहां मंदिर में चढ़ावे को लेकर आगे कोई भी शिकायत न आये, इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावे के हिसाब-किताब के लिए जो व्यवस्था है, उनका यहां अयोध्या में भी अनुसरण करके इस मामले को जल्द ही सुलझाना चाहिए।' बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, 'इतना ही नहीं देश में राजनीति का अपराधीकरण व अपराध का राजनीतिकरण तथा धर्म का राजनीतिकरण एवं राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाये तो यह सही व संवैधानिक होगा। बसपा की राजनीतिक पार्टियों को देश व जनहित में यही सलाह है और देशवासियों से भी अपील है कि इस मामले के राजनीतिकरण पर ध्यान न दें। '

### राम मंदिर चोरी- अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद: *कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट*

**एजेंसी**

**लखनऊ।** कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सोमवार देर रात अयोध्या स्थित एक होटल में रोक दिए जाने के बाद राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष को होटल पद्मश्री पैलेस में हाउस अरेस्ट कर दिया गया है। अजय राय मंगलवार को श्रीराम मंदिर में दर्शन करने और चढ़ावा चोरी के मामले की जानकारी लेने के लिए जाने वाले नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दिन पहले ही अयोध्या पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल में सांसद और विधायक भी शामिल होने वाले हैं। इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी का आरोप है कि राम मंदिर जाने से रोका जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के अनुसार, अजय राय के नेतृत्व में सांसद तनुज पुनिया, किशोरी लाल शर्मा, राकेश राठौर, उज्ज्वल रमण सिंह तथा विधायक वीरेंद्र चौधरी का प्रतिनिधिमंडल रामलला के दर्शन के बाद साधु-संतों, प्रशासन, प्रबुद्ध वर्ग और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर मामले की जानकारी जुटाने वाला था। उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल कल 30 जून को अयोध्या में प्रभु श्री राम के दर्शन-पूजन के लिए जाने वाला था। मैं अयोध्या पहुँचा ही था कि भाजपा सरकार इतनी डर गई कि पुलिस मुझे होटल से गिरफ़्तार कर अपनी जीप में बैठाकर ले जा रहीं है।

## खाकी की ओट में नशे का नरक

### 23 लाख के शराब कांड का जेल रिटर्न 'हनु कामड़िया' बना करजण का अघोषित किंग!

**महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन**

**वडोदरा / करजण।** गुजरात सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के धज्जी उड़ाता एक बेहद सनसनीखेज और शर्मनाक मामला वडोदरा जिले के करजण तालुका से सामने आया है। कागजों पर शराबबंदी के बड़े-बड़े दावों के बीच, करजण के गांव-गांव में आज पुलिस के ही आशीर्वाद से इंग्लिश शराब, केमिकल युक्त जहरीली देसी शराब, जुआ और चरस-गांजे का साम्राज्य बेखौफ होकर धड़ल्ले से चल रहा है। इस काले कारोबार के तार करजण पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ के एक ऐसे 'वहीवटदार' (सिस्टम संभालने वाले) से जुड़े हैं, जो कानून को अपनी जेब में समझकर पूरा नेटवर्क ऑपरेट कर रहा है!

**मौत का सामान और वडोदरा से आते जुआरी: करजण के 4 डेंजर ज़ोन!**

**कुराली (पानी की टंकी के पास):** यहाँ नई नगरी में सरेआम वरली मटका का जुआ खिलवाकर युवा पीढ़ी को बर्बाद किया जा रहा है।

**सापा गांव (नई वसाहत):** यह गांव वडोदरा शहर के जुआरियों के लिए 'सेफ हेवन' बन गया है। खास तौर पर बाहर से जुआरी यहाँ किस्मत आजमाने आते हैं और स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी तमाशा देखती है।

**कंडारी गांव:** गांव के कोने-कोने में देसी शराब के बिक्री केंद्र खुल गए हैं, मानो असामाजिक तत्वों को कानून का रत्ती भर भी खौफ न हो!

**करमडी गांव:** यह गांव चौबीसों घंटे जहर उगलने वाली देसी शराब की भट्टियों का हब बन चुका है। केमिकल युक्त जहरीली शराब का यहाँ धड़ल्ले से उत्पादन हो रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या यह भ्रष्ट तंत्र करजण की धरती पर एक और 'लट्ठाकांड' (जहरीली शराब कांड) और मासूमों की लाशें गिरने का इंतजार कर रहा है? जेल की हवा खाकर आया भ्रष्ट कॉन्स्टेबल फिर 'कमाऊ पूत' कैसे बना इस पूरे अवैध नेटवर्क का असली मास्टरमाइंड करजण पुलिस का कलंकित कॉन्स्टेबल हनुभा उर्फ हनु कामड़िया बताया जा रहा है। इससे पहले करीब 23 लाख रुपये के विदेशी शराब के बड़े घोटाले में बूटलेगरों के साथ सीधी साठगांठ में यह हनु कामड़िया रंगे हाथों पकड़ा गया था और जेल की हवा भी खा चुका है! तब इसे सस्पेंड कर जिले से बाहर खदेड़ दिया गया था। लेकिन हैरत की बात यह है कि जेल से छूटते ही किस राजनीतिक आका के इशारे पर इस नफ्फट कॉन्स्टेबल को दोबारा करजण पुलिस स्टेशन में ही मलाईदार पोस्टिंग मिल गई? करजण के पी.आई. पटेल के लिए यह हनुभा सोने का अंडा देने वाली मुर्गी यानी 'कमाऊ पूत' साबित हो रहा है। पी.आई. पटेल की छत्रछाया में हनुभा इस समय फिर से बूटलेगरों के साथ सीधा गठबंधन करके विदेशी शराब की 'कटिंग' करवा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस काले वहीवट से उसने करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति और अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया है। LCB तक लाखों की बंटर?

गृहमंत्री के आदेश करजण की सीमा पर फेल चौंकाने वाली जानकारियों के मुताबिक, करजण में सिर्फ शराब-जुआ ही नहीं बल्कि गांजा और चरस जैसे नशे का नेटवर्क भी एक्टिव है। जिले की स्थानीय अपराध शाखा भी इन अड्डों के खिलाफ आंखें मूंदे बैठी है, क्योंकि सूत्रों का कहना है कि वहीवटदार हनुभा हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता ऊपर तक पहुंचाता है! इस वहीवटदार की दादागिरी इस कदर बढ़ गई है कि वह राज्य के गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री के कड़े आदेशों को भी ठेंगा दिखाकर सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है।

**'महानगर मेट्रो' के सीधे, कड़े और तीखे सवाल**

1. वडोदरा जिला पुलिस अधीक्षक इस जेल रिटर्न भ्रष्ट वहीवटदार हनु कामड़िया और उसे शह देने वाले PI पटेल की आय से अधिक संपत्ति की जांच कराकर उन्हें सस्पेंड करेंगे या फिर हफ्ताखोरी का यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा?



हनु कामड़िया

2. गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम करजण के कुराली, सापा, कंडारी और करमडी गांव के इन अड्डों पर कब गुप्त छापेमारी करेगी और पुलिस-बूटलेगर के इस गठजोड़ पर बुलडोजर चलाएगी?

3. राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले बूटलेगरों और हफ्ताखोर खाकी के भ्रष्ट चेहरों के खिलाफ गांधीनगर की सरकार कब लाल आंख करेगी?

**महानगर मेट्रो की खुली चेतावनी**

करजण की जनता अब इस नरक और नशे के दलदल से त्राहि-त्राहि कर उठी है। अगर ये नशे के अड्डे और करोड़ों का भ्रष्टाचार तुरंत बंद नहीं हुआ, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज़' इस भ्रष्ट तिकड़ी के पुख्ता ऑडियो-वीडियो सबूतों और करोड़ों की बेनामी संपत्ति के दस्तावेजों के साथ अगले अंक में महाविस्फोट करेगी! तैयार रहिए।

*द्विशा शर्मा डेथ केस*

## अदालत ने सास गिरिबाला और पति की न्यायिक हिरासत 14 जुलाई तक बढ़ाई

**एजेंसी**

**भोपाल ।** एक विशेष अदालत ने मंगलवार को मॉडल-एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 14 जुलाई तक बढ़ा दी। भोपाल सेंट्रल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उनकी पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद यह आदेश पारित किया। सुनवाई के बाद दोनों को अगली सुनवाई की तारीख तक न्यायिक हिरासत में रहने का निर्देश दिया गया। इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोपियों से आगे की हिरासत में पूछताछ की मांग नहीं की। एजेंसी मामले से जुड़े गवाहों के बयान दर्ज करने के अलावा दस्तावेजी, फोरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच करके अपनी जांच जारी रखे हुए है। मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल में अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं। इस घटना में द्विशा के परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग की। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी।

## पश्चिम बंगाल में कानून का राज भाजपा की राजनीति की भेंट चढ़ गया: अभिषेक बनर्जी

**कोलकाता ।** तृणमूल कांग्रेस (ममता बनर्जी गुट) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून का राज भाजपा की राजनीति की भेंट चढ़ गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सरकारी एजेंसियां बिना किसी सूचना के नागरिकों को उठा रही हैं। भाजपा के कार्यकर्ता तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं, उन्हें कमर में रस्सी बांधकर घुमा रहे हैं, उन पर पत्थर फेंक रहे हैं और उन्हें जानलेवा चोटें पहुंचा रहे हैं। भाजपा के गुंडे कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं और हर दिन पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा फैला रहे हैं। दिनदहाड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों और बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। तणमूल सांसद अभिषेक ने आरोप लगाया कि राजनीतिक पार्टियों को तोड़ा जा रहा है। बैंक खाते फ्रीज किए जा रहे हैं। विधायकों पर दबाव डाला जा रहा है, उन्हें धमकाया जा रहा है और पार्टी न बदलने पर झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। जो मौजूदा विधायक झुकने से इनकार करते हैं, उन्हें रातोंरात फंसा दिया जाता है और वे जेल में रहते हैं। अगर भाजपा सच में लोगों के जनादेश के दम पर बंगाल जीती है, तो वह इतनी डरी हुई क्यों है? यह सख्ती क्यों? विरोध की हर आवाज को दबाने की यह बेताब कोशिश क्यों? '

## मुंबई में चलती स्कूल बस पर पेड़ गिरा:एक छात्र की मौत, 11 घायल; स्कूल से घर लौटते समय हादसा हुआ

**मुंबई।** मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे। उनमें से 11 का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बस में फंसे 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बाहर निकालकर



अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। तभी रोड नंबर 11 पर सड़क किनारे लगे पेड़ की बड़ी डालियां बस की छत पर आ गिरीं, जिससे बस का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह दब गया। पेड़ गिरते ही बस के अंदर मौजूद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग बस के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने घायल बच्चों को बस से बाहर निकाला। मशीनों और कटर की मदद से पेड़ को काटा गया।

## सुप्रीम कोर्ट ने 2025-26 के लिए एथेनॉल सप्लाई कोटे की मौजूदा व्यवस्था बरकरार रखी



*सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई-20) की योजना अभी परीक्षण (एक्सपेरिमेंट) के चरण में है और इस नीति का व्यापक प्रभाव अगले वर्ष तक अधिक स्पष्ट रूप से सामने आएगा।*

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** सुप्रीम कोर्ट ने 2025-26 के एथेनॉल सप्लाई वर्ष के लिए एथेनॉल आवंटन (कोटा) की मौजूदा व्यवस्था को फिलहाल यथावत बनाए रखने का अंतरिम आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने यह अंतरिम आदेश केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। इन याचिकाओं में कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें हाई कोर्ट ने तेल कंपनियों को एक एथेनॉल निर्माता कंपनी की उस मांग पर विचार करने का निर्देश दिया था, जिसमें उसने चालू सप्लाई वर्ष के लिए अपने एथेनॉल कोटे में वृद्धि की मांग की थी। सुनवाई के दौरान भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि कर्नाटक हाई कोर्ट का आदेश देश की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति को अस्थिर कर सकता है और इससे पूरी नीति के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि किसी भी एथेनॉल निर्माता कंपनी का अधिक एथेनॉल कोटा पाने पर कोई कानूनी अधिकार नहीं बनता। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत को ऐसा कोई आदेश नहीं देना चाहिए, जिससे सरकार की नीतिगत व्यवस्था में बदलाव जैसा प्रभाव पड़े।

## जापान की प्रधानमंत्री का तीन दिवसीय भारत दौरा

### *2 जुलाई को पीएम मोदी के साथ करेंगी शिखर वार्ता*

**तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन, 3 जुलाई को सुबह 11 बजे जापान की प्रधानमंत्री टोक्यो के लिए रवाना होंगी।**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची 1 से 3 जुलाई, 2026 तक अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत में रहेंगी। इस दौरान वह 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई गति देना है। विदेश मंत्रालय ने जापानी पीएम के कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया है। इसके अनुसार, प्रधानमंत्री ताकाइची 1 जुलाई की शाम 7 बजे नई दिल्ली के वायु सेना स्टेशन (एएफएस) पालम पहुंचेंगी, जहां उनका आधिकारिक स्वागत किया जाएगा। 2 जुलाई को सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित होगा। इसके बाद सुबह 11:30 बजे हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी। दोनों नेता रक्षा, आर्थिक सुरक्षा, व्यापार, निवेश, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), दूरसंचार और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। बैठक के बाद दोपहर 1:10 बजे दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री ताकाइची संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी करेंगे। दोपहर 3 बजे प्रधानमंत्री ताकाइची नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में आयोजित भारत-जापान बिजनेस फोरम में भाग लेंगी, जहां दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में निवेश, व्यापार और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। 16वें



शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य 'आर्थिक सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा' को आगे बढ़ाना भी है, जिस पर पिछले साल ही हस्ताक्षर किए गए थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते का मकसद दोनों देशों की रक्षा क्षमताओं और सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। इसके लिए दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, साझा अभ्यास और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

## रालोद संसदीय बोर्ड का गठन, पूर्व सांसद केसी त्यागी बने अध्यक्ष

**लखनऊ।** राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को पार्टी के संसदीय बोर्ड का गठन किया। तीन महीने पहले ही पार्टी में शामिल हुए पूर्व सांसद केसी त्यागी को इसका अध्यक्ष बनाया है। संसदीय बोर्ड में पार्टी के दिग्गज नेता, सासंद, पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक के साथ खुद जयंत चौधरी बतौर सदस्य शामिल हैं। इस बोर्ड में उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली समेत कई राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है। रालोद की उत्तर प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ सदस्यों में हरियाणा से सेवानिवृत्त मेजर जनरल बिशम्बर दयाल, पूर्व सांसद तारीफ सिंह, उप्र के पूर्व सांसद मुंशी राम, उप्र के पूर्व मंत्री अशोक यादव, उप्र के पूर्व सांसद मलूक नागर, सांसद के बागपत राजकुमार सांगवान, विधायक राजपाल बलियान शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक राजस्थान अब्दुर सगीर खान, विधान परिषद सदस्य योगेश चौधरी, विधायक राजस्थान सुभाष गर्ग, आगरा के डॉ. यशपाल बघेल, लखनऊ के अनिल दुबे, मुजफ्फरनगर की रमा नागर और बड़ौत चेयरमैन बबीता तोमर भी इस बोर्ड में बतौर सदस्य शामिल हैं।

## शादी के बाद राजस्थान शिफ्ट होने वाले थे सिया और चेतन, पैसों का इंतज़ाम खुद सिया को करना था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद/गांधीनगर।** चौंकाने वाले केतन मर्डर केस में हर दिन नए और दिल दहला देने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल मर्डर मिस्ट्री में अब मृतक और आरोपी के करीबी दोस्त सामने आए हैं और पुलिस के सामने ऐसे राज खोले हैं कि जांच करने वाले अधिकारी भी उन्हें सुनकर हैरान हैं। दोस्तों के मुताबिक, सिया और चेतन न सिर्फ एक-दूसरे से प्यार करते थे, बल्कि उन्होंने शादी करके गुजरात छोड़ने का पूरा मास्टर प्लान भी तैयार कर लिया था। पुलिस जांच में दोस्तों के खुलासे के मुताबिक, सिया और चेतन शादी के बाद सीधे राजस्थान शिफ्ट होने वाले थे। वे वहीं जाकर अपनी नई ज़िंदगी शुरू करना चाहते थे ताकि यहां उनके बीच कोई न आए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी प्लानिंग की फाइनेंशियल ज़िम्मेदारी सिया ने खुद ली थी। सिया ने चेतन को भरोसा दिलाया था कि राजस्थान जाने और वहां बसने के लिए ज़रूरी ज़्यादातर पैसों का इंतज़ाम वह कहीं से भी कर देगी। इसी पैसे के इंतज़ाम को लेकर यह शक और पक्का हो गया है कि पूरा मामला खूनी खेल में बदल गया है। अभी तक यही माना जा रहा था कि यह लव अफेयर सीक्रेट है, लेकिन दोस्तों के बयानों ने पूरी कहानी बदल दी है। दोनों परिवारों को सिया और चेतन के लव अफेयर के बारे में अच्छी तरह पता था। इस बात को लेकर परिवार में अक्सर झगड़े और तनाव रहता था। केतन का होना या उसका विरोध करना इस रिश्ते में रुकावट बन रहा था, जिससे उसे रास्ते से हटाने की एक क्रूर साज़िश की कड़ियां अब एक-दूसरे से जुड़ रही हैं। पुलिस ने अब जांच को यह पता लगाने के लिए आगे बढ़ाया है कि मर्डर वाले दिन किसने किसे कॉल किया था, पैसों का लेन-देन कहां होना था और इस प्लानिंग में और कितने लोग शामिल हैं। दोस्तों से मिले ये नए सुराग कोर्ट ट्रायल और पुलिस चार्जशीट के लिए बेहद अहम साबित होंगे। पक्को गुजरात न्यूज़ पेपर पढ़ने वालों को इस सनसनीखेज मर्डर केस की छोटी-छोटी डिटेल्स देता रहेगा। अब देखना यह है कि पुलिस ऑफिशियली सिया का असली चेहरा और पैसे का इंतज़ाम करने के पीछे चेतन की भूमिका को कैसे सामने लाती है।

## डेवलपमेंट के नाम पर एनवायरनमेंट की बलि चढ़ाने का नेताओं और अधिकारियों का पागलपन अब हद पार कर चुका है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बनासकांठा।** हेडक्वार्टर पालनपुर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने एनवायरनमेंटलिस्ट और लोकल लोगों का खून खौला दिया है। पालनपुर की सबसे बिज़ी और ग्रीन मानी जाने वाली अरोमा सर्किल से डिस्ट्रिक्ट पंचायत तक की रोड पर लगे पुराने और छोटे पेड़ों को बिना किसी रहम के अंधाधुंध काट दिया गया है। रोड पर बिखरे हरे पेड़ों के खूनी निशानों से गुस्साई पब्लिक अब एडमिनिस्ट्रेशन से सीधा सवाल पूछ रही है, 'भाई... इसे आप कैसा डेवलपमेंट कहते हैं?' डेवलपमेंट के नाम पर तबाही का दिखावा। एक तरफ सरकार करोड़ों रुपये खर्च करके जंगल के त्योहार मनाती है, एनवायरनमेंट बचाने के बड़े-बड़े भाषण देती है और ग्लोबल वार्मिंग की बात करती है। दूसरी तरफ, पालनपुर एडमिनिस्ट्रेशन सड़क चौड़ी करने या किसी दूसरे प्रोजेक्ट के नाम पर दिन-दहाड़े ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों को काट रहा है। अरोमा सर्कल से लेकर डिस्ट्रिक्ट पंचायत तक की पूरी सड़क, जो कभी पेड़ों की ठंडी छांव से गर्मी में भी राहत देती थी, आज एडमिनिस्ट्रेशन ने उसे बंजर रेगिस्तान बना दिया है। लोकल लोग कह रहे हैं कि अगर सड़क बनानी ही थी, तो पेड़ दोबारा क्यों नहीं लगाए गए? इस तरह अंधाधुंध कुल्हाड़ी क्यों चलाई गई? पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की इस घटना के बाद, पालनपुर के जागरूक लोगों में एडमिनिस्ट्रेशन और लोकल नेताओं के खिलाफ भयंकर गुस्सा फूट पड़ा है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि जो डेवलपमेंट इंसानों को ऑक्सीजन देने वाले कुदरती सोर्स को खत्म करता है, वह डेवलपमेंट नहीं बल्कि तबाही का रास्ता है। जब गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ता है, तो यही पेड़ लोगों को छांव देते थे, लेकिन-ष्ट कारों में घूमने वाले ऑफिसर और नेताओं को शायद आम आदमी की यह प्रॉब्लम नहीं दिखती। ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई कब होगी? पाक्को गुजरात न्यूज़ पेपर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट से पूछना चाहता है कि इन पेड़ों को काटने की इजाज़त किसने दी? किस क़ानून के तहत इतने बेरहमी से हरे-भरे पेड़ काटे गए? क्या कोई नई सड़क या बिल्डिंग इंसान की सांस से ज़्यादा कीमती हो सकती है? पालनपुर के लोग अब चुप नहीं रहने वाले हैं। इस मामले की हाई-लेवल जांच और पर्यावरण के साथ क्रूर मज़ाक करने वालों को सज़ा दिलाने की जनता की ज़ोरदार मांग है। एडमिनिस्ट्रेशन को याद रखना चाहिए कि जब कुदरत अपना काम करने लगती है, तो कोई भी बड़ा योद्धा या बड़ा नेता उसे नहीं बचा सकता।

## खुली आँखों के हसीन ख़्वाब और पार्टनर से बढ़ती नज़दीकियां: रिश्तों को मज़बूती देती प्यार की छुअन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानव जीवन में प्रेम और आकर्षण का अहसास कुदरत का सबसे खूबसूरत तोहफा है। जब दो दिल एक-दूसरे के करीब आते हैं, तो केवल उनके मन ही नहीं, बल्कि उनके जिस्म भी एक-दूसरे को पाने के लिए मचल उठते हैं। शारीरिक आकर्षण का रोमांच एक ऐसी अद्भुत घटना है, जिसे शब्दों के दायरे में बांधना मुमकिन नहीं। शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर एक-दूसरे के हाथों का वो धीमा स्पर्श, उंगलियों के पोरों से होंठों, कान और गर्दन को सहलाने की वो सिहरन, और फिर होंठों के गहरे चुंबन से रिसता हुआ वो मधुपान... यह सब कुछ दो रूहों को एक करने का जरिया बनता है। धीरे-धीरे चलती सांसें जब एक-दूसरे की गर्माहट से मिलकर तेज़ होने लगती हैं, और स्पर्श की उत्तेजना दोनों को कामुकता के चरम की ओर ले जाती है, तब दोनों प्रेमी पूरी तरह से एक-दूसरे में खो जाते हैं। प्रेम की यह पूर्ण पराकाष्ठा इतनी शक्तिशाली होती है कि इसे महसूस करने के लिए रात की नींद या बंद आँखों के सपनों की ज़रूरत नहीं पड़ती। सच्चा प्रेम और तीव्र आकर्षण तो खुली आँखों से भी वह अहसास करा देता है, जो बदन में बिजली दौड़ाने के लिए काफी होता है। जब इस तरह के रोमांटिक और कामुक विचारों का आदान-प्रदान अपने होने वाले पति-पत्नी या प्रियपात्र के साथ होता है, तो रिश्ते में एक नया करंट दौड़ जाता है। हमारे समाज में अक्सर शारीरिक संबंधों या रोमांटिक इच्छाओं पर शादी से पहले बात करने में हिचकिचाहट दिखाई जाती है। लेकिन हकीकत यह है कि ऐसी बातें करना न सिर्फ स्वाभाविक है, बल्कि एक सुखी वैवाहिक जीवन की नींव रखने के लिए बेहद जरूरी भी है। आपसी आकर्षण में बढ़ोतरी जब आप अपने भावी पार्टनर के साथ अपनी फैंटेसी, अपनी पसंद-नापसंद और स्पर्श की इच्छाओं को खुलकर साझा करते हैं, तो सामने वाले के दिल में आपके प्रति आकर्षण दोगुना हो जाता है। दिन-रात बस एक-दूसरे के ही ख़्याल आते हैं, जो प्यार की गहराई को बढ़ाते हैं। झिझक की दीवारें टूटती हैं शादी के शुरुआती दिनों में कपल्स के बीच अक्सर एक पर्दा या झिझक होती है। अगर शादी या सगाई के दौरान ऐसी रोमांटिक बातें हो चुकी हों, तो दोनों एक-दूसरे के साथ सहज हो जाते हैं। शारीरिक मिलन के समय कोई डर या संकोच आड़े नहीं आता। मानसिक और भावनात्मक जुड़ावः शारीरिक संबंधों की शुरुआत हमेशा मानसिक जुड़ाव से होती है। जब आप अपने पार्टनर को यह बताते हैं कि उनका स्पर्श आपको कैसे रोमांचित करता है, तब आप एक-दूसरे की मानसिकता और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। आज के आधुनिक दौर में संवाद ही हर रिश्ते की चाबी है। अपनी रोमांटिक और शारीरिक इच्छाओं के बारे में बात करना कोई गुनाह या शर्म की बात नहीं है, बल्कि यह प्यार को जताने की एक खूबसूरत कला है। ऐसी बातचीत रिश्तों को और अधिक गहरा और अटूट बनाती है। यह आपको भरोसा दिलाती है कि आप जिस व्यक्ति के साथ पूरी जिंदगी बिताने जा रहे हैं, उसके साथ आप पूरी तरह से आज़ाद और सुरक्षित हैं। खुली आँखों से देखे गए शारीरिक और मानसिक मिलन के ये ख़्वाब जब वैवाहिक जीवन की असलियत बनते हैं, तो जिंदगी सुख, संतोष और अटूट प्रेम से भर जाती है। इसलिए, अपने प्रियतम के साथ दिल की बातें शालीनता और पूरे अरमानों के साथ साझा करने में कभी पीछे न हटें, क्योंकि यही बातें आपके आने वाले सुनहरे कल की खूबसूरत शुरुआत हैं।

# खनिज माफियाओं पर प्रशासन का तगड़ा प्रहार

## कलेक्टर और SP के आदेश पर दौड़ी ट्रैफिक पुलिस; पर AC दफ्तरों में बैठकर 'मलाई' काटने वाला खान-खनिज विभाग आखिर कब जागेगा?

## सुस्काल के पास बिना रॉयल्टी रेत ले जाता ट्रैक्टर जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**छोटाउदैपुर।** जिले में प्राकृतिक संपदा की सरेआम लूट मचाने वाले खनिज माफियाओं के खिलाफ आखिरकार प्रशासन ने अपनी तीसरी आंख खोल दी है। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों के बाद जिले में अवैध रेत खनन के खिलाफ एक विशेष मुहिम (स्पेशल ड्राइव) तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई से माफिया गलियारों में भारी हड़कंप मच गया है। इसी कड़ी में जिला ट्रैफिक पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए रात की गश्त के दौरान सुस्काल गांव के पास से बिना रॉयल्टी के अवैध रेत ले जाते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रंगे हाथों दबोच लिया।

### रात के अंधेरे में खनन का काला खेल!

मिली जानकारी के अनुसार, जिला ट्रैफिक शाखा की टीम रात के समय रूटीन गश्त पर थी। इसी दौरान सुस्काल के पास एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली दिखाई दी। जब पुलिस ने उसे रोककर उसकी तलाशी ली, तो ट्रॉली रेत से ओवरलोड भरी पाई गई। जब ट्रैक्टर चालक से रेत परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज या रॉयल्टी पास मांगे गए, तो उसके पास कुछ नहीं मिला। बिना रॉयल्टी के हो रहे इस अवैध परिवहन को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर आगे की

दंडात्मक कार्रवाई के लिए खान एवं खनिज विभाग को सौंप दिया।

### नदियों का सीना चीर रहे हैं माफिया!

छोटाउदैपुर जिले की लाइफलाइन कही जाने वाली नदियों

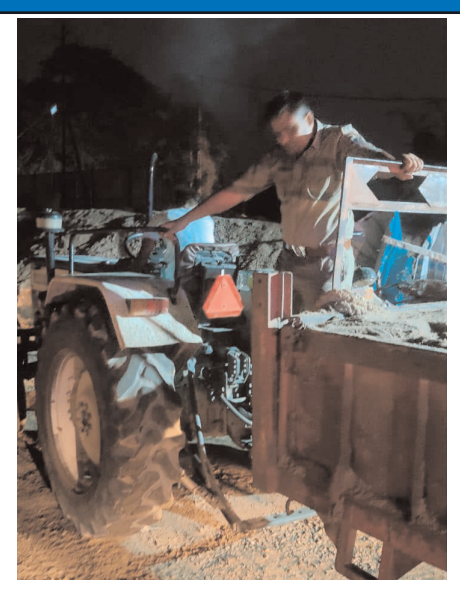

से लंबे समय से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। इस अंधाधुंध खनन के कारण नदियों का प्राकृतिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका है और पर्यावरण को ऐसा जख्म मिला है जिसकी भरपाई नामुमकिन है।

### आगे और भी 'घातक' होगी कार्रवाई!

भले ही खनिज विभाग सुस्त हो, लेकिन पुलिस और जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा इस कार्रवाई को और ज्यादा कड़ा और व्यापक बनाया जाएगा। अब देखना यह है कि इस कड़े प्रहार के बाद खनिज माफिया सलाखों के पीछे जाते हैं या फिर 'सिस्टम' की मेहरबानी से दोबारा नदियों को लूटने निकल पड़ते हैं!

### 'महानगर मेट्रो' का सीधा सवालः आखिर कब तक कुंभकर्णी नींद सोएगा खनिज विभाग?

एक तरफ जहां पुलिस प्रशासन अपनी जान जोखिम में डालकर रात-रात भर जागकर इन खनिज चोरों को पकड़ रहा है, वहीं जिले का खान एवं खनिज विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है। जनता के बीच यह चर्चा आम है कि इस विभाग के अफसरों का काम सिर्फ एसी केबिनों में बैठकर 'हफ्ता वसूली' करना और मलाई काटना रह गया है! इनकी नाक के नीचे दिन-दहाड़े नदियों का सीना चीरा जा रहा है, धड़ल्ले से रेत और मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है, लेकिन इस विभाग को कुछ दिखाई नहीं देता। क्या इस विभाग की आंखें तभी खुलती हैं जब पुलिस इन्हें केस थाली में परोस कर देती है?

## पुलिस की नाक के नीचे शराब तस्करों का बोलबाला: गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन से मात्र 2 मिनट की दूरी पर खुलेआम शराब की बिक्री!

जमालपुर ट्रैफिक बीट के पीछे देसी और विदेशी शराब की खुलेआम बिक्री का आरोप। गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन से महज 2 मिनट की दूरी पर बेखौफ चल रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** गुजरात में शराबबंदी सिर्फ़ कागजों पर होने के आरोप अक्सर लगते रहे हैं, लेकिन अहमदाबाद के प्रभावित इलाकों से सामने आई जानकारी ने पुलिस प्रशासन की साख पर बट्टा लगा दिया है। अहमदाबाद में जमालपुर ट्रैफिक बीट के पीछे देसी और विदेशी शराब की खुलेआम बिक्री के गंभीर आरोपों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या 'पुलिस स्टेशन पास होना' शराब तस्करों के

लिए सुरक्षा कवच है?स्थानीय सूत्रों के चौंकाने वाले दावों के अनुसार, जहाँ यह अवैध शराब का कारोबार चल रहा है, वहाँ से गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन सिर्फ़ दो मिनट की दूरी पर है। कानून का कोई डर न होने के कारण, शराब तस्कर पुलिस स्टेशन के ठीक बगल में देसी और विदेशी शराब की नदियाँ बहा रहे हैं। अब आम जनता के बीच यह बहस तेज़ हो गई है कि क्या शराब तस्करों को अब पुलिस का कोई डर नहीं रहा, या यह सब 'मिलीभगत' से हो रहा है? बड़ा सवालः जो पुलिस ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले आम नागरिकों को तुरंत पकड़ लेती है, उसे अपनी ही पोस्ट के पीछे चल रहा शराब का इतना बड़ा अड्डा क्यों दिखाई नहीं देता? ट्रैफिक पोस्ट की आड़ में काला कारोबार, क्या बड़े अधिकारी चुप हैं या अनजान? आरोपों के अनुसार, यह गतिविधि ट्रैफिक पुलिस पोस्ट के ठीक पीछे लंबे समय से चल रही है। हर दिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही के बीच खुलेआम शराब बेचे जाने के बावजूद, स्थानीय पुलिस या उच्च अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस निष्क्रियता को लेकर अब जनता में काफी गुस्सा है।

**'महानगर मेट्रो' के सीधे सवालः**

1. क्या यह स्वीकार्य है कि पुलिस स्टेशन से सिर्फ़ 2 मिनट की दूरी पर शराब बेची जा रही हो और स्थानीय PI को इसकी जानकारी न हो?

2. अगर यह खेल ट्रैफिक बीट स्टाफ की नाक के नीचे चल रहा है, तो क्या उनकी कोई ज़िम्मेदारी नहीं है?

3. अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर इस मामले पर कब ध्यान देंगे और ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ कब कार्रवाई की जाएगी? इन गंभीर आरोपों के बाद, अब यह देखना बाकी है कि क्या पुलिस के आला अधिकारी इस शराब के अड्डे को बुलडोज़र से ढहा देंगे या फिर हमेशा की तरह 'सब ठीक है' कहकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा। (- **महानगर मेट्रो न्यूज़ नेटवर्क**)

## नडियाद में प्रेम विवाह को लेकर विवाद और हंगामा

गजानंद आवासीय परिसर में दो गुट भिड़े, मामला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नडियाद (खेड़ा)।** खेड़ा ज़िले के मुख्यालय नडियाद के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित गजानंद आवासीय परिसर में प्रेम विवाह से जुड़ी पुरानी दुश्मनी को लेकर भारी हंगामा और विवाद का समाचार सामने आया है। प्रेम विवाह को लेकर दोनों पक्षों के बीच मामला इतना गरमा गया कि दोनों तरफ के लोग आमने-सामने आ गए और माहौल तुरंत तनावपूर्ण हो गया। यह पूरा मामला

आखिरकार पुलिस थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया। पुष्ट जानकारी के अनुसार, गजानंद आवासीय परिसर में हुई इस झड़प के बाद दोनों पक्षों ने कानूनी कार्रवाई का मार्ग अपनाया है। इसमें एक पक्ष से मनीषकुमार नटुभाई पटेल और दूसरे पक्ष से विपुलकुमार किरणभाई सोधा ने नडियाद पश्चिम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की बातों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और वैधानिक जांच शुरू कर दी है। इस हंगामे और विवाद के बीच, जिस युवती ने प्रेम विवाह किया था, वह न्याय पाने के लिए हाथ में अर्ज़ी लेकर खेड़ा ज़िला पुलिस प्रमुख के कार्यालय पहुंची। युवती ने सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाते हुए उच्च अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी है। ज्ञात हुआ है कि ज़िला पुलिस प्रमुख ने इस मामले को गंभीरता से लिया है ताकि प्रेम विवाह जैसे निजी और सामाजिक मामले में कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े।

**महानगर मेट्रो का सीधा सवालः**

आज के आधुनिक दौर में भी, जब दो बालिग़ अपनी मर्ज़ी से विवाह करते हैं, तो समाज के कुछ लोग दुश्मनी क्यों पालते हैं और दुर्व्यवहार क्यों करते हैं? क्या नडियाद पश्चिम पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी और गजानंद आवासीय परिसर के निवासियों को शांति से रहने का माहौल देगी? फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है, लेकिन अब यह देखना शेष है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में न्याय की गुहार लगाने वाली बेटी को कब सच्चा न्याय और सुरक्षा मिलती है! सतर्क रहें!

## राजकोट में 2.49 करोड़ रुपये लूटने वाले गिरोह का खेल खत्म: राज्य निगरानी प्रकोष्ठ प्रमुख निर्लिप्त राय के 20 दलों ने मध्य प्रदेश से आरोपियों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानव रहित विमान तकनीक की मदद से दुपहिया वाहन मिला, मात्र 10 दिनों में अत्याधुनिक अभियान चलाकर मध्य प्रदेश के आदतन अपराधियों को पकड़ा गया

**राजकोट।** राज्य निगरानी प्रकोष्ठ के 'लौह पुरुष' माने जाने वाले भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी निर्लिप्त राय के दल ने आखिरकार उन लुटेरों का घमंड तोड़ दिया, जिन्होंने राजकोट की धरती पर 2.49 करोड़ रुपये की बड़ी लूट को अंजाम देकर कानून को चुनौती दी थी। गुजरात पुलिस की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मामले को मात्र 10 दिनों के कम समय में सुलझाकर पुलिस ने साबित कर दिया कि अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, वह कानून की लंबी पहुंच से बच नहीं सकता। राज्य निगरानी प्रकोष्ठ के 20 दलों ने लगातार अभियान चलाकर मध्य प्रदेश के सीहोर क्षेत्र से लुटेरों को गिरफ्तार किया और उन्हें कानून के दायरे में लाए। मैदान में 20 दल और आकाश से खोज अभियानः किसी चलचित्र अंदाज़ में सुलझा मामला! मिली पक्की और ताज़ा जानकारी के अनुसार, राजकोट में करोड़ों की इस लूट के बाद गृह विभाग हरकत में आया और जांच राज्य निगरानी प्रकोष्ठ प्रमुख निर्लिप्त राय को सौंपी गई। सख्त अधिकारी की छवि रखने वाले निर्लिप्त राय ने तुरंत 20 अलग-अलग दल बनाए और गुजरात से लेकर मध्य प्रदेश तक जाल बिछाया। इस अभियान में निर्णायक मोड़ तब आया जब पुलिस ने उस दुपहिया वाहन को खोजने के लिए अत्याधुनिक तकनीक की मदद ली, जिस पर सवार होकर आरोपी भागे थे। जैसे ही मानव रहित विमान (ड्रोन) के माध्यम से किसी अनजान जगह पर छिपाए गए दुपहिया वाहन का पता चला, पुलिस को आरोपियों के ठिकाने मिल गए। अपराध करने के बाद आरोपी मध्य प्रदेश भाग गए थे और सोच रहे थे कि वे वहां सुरक्षित हैं। लेकिन राज्य निगरानी प्रकोष्ठ के दलों ने मध्य प्रदेश पुलिस की मदद से स्थानीय स्तर पर घात लगाकर उन तीन आदतन अपराधियों को दबोच लिया। जब गुजरात पुलिस के दल ने आरोपियों को पकड़ा, तो उनके सिर झुके हुए थे और उन्हें सड़क पर ही कानून की गिरफ्त में ले लिया गया। आरोपियों से लूटी गई कितनी रकम बरामद हुई है, यह पता लगाने के लिए अभी गहन पूछताछ और कानूनी कार्रवाई चल रही है।

**'महानगर मेट्रो' का अहम सवालः आखिर स्थानीय पुलिस क्यों नाकाम रही?**

जब भी गुजरात में कोई बड़ा अपराध होता है, तो गांधीनगर का राज्य निगरानी प्रकोष्ठ या स्थानीय अपराध शाखा आकर मामले को सुलझाता है; ऐसे में स्थानीय सुरक्षा कैमरा तंत्र और पुलिस खुफिया तंत्र क्या करते हैं? राजकोट जैसे व्यस्त शहर से 2.49 करोड़ रुपये लूटकर आरोपियों के मध्य प्रदेश भागने तक स्थानीय तंत्र गहरी नींद में क्यों सोया रहा? हालांकि, जिस तरह निर्लिप्त राय और उनके दल ने अत्याधुनिक तकनीक और मानवीय खुफिया जानकारी का उपयोग करके मात्र 10 दिनों में एक अंतर-राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है, उसने निश्चित रूप से गुजरात पुलिस का मान बढ़ाया है और अपराधियों में खलबली मचा दी है। 'महानगर मेट्रो समाचार' इस मामले से जुड़ी सभी कानूनी जानकारियां अपने अगले अंक में लाता रहेगा। बने रहिए हमारे साथ!

## अंकलेश्वर अ-प्रभाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ऊपरी पुल के नीचे से मादक पदार्थों के साथ तीन तस्कर पकड़े गए

मादक पदार्थ, तौलने वाली मशीनें, महंगे चौपहिया और दुपहिया वाहन (कुल कीमत 3.76 लाख) ज़ब्त; पुलिस को चकमा देकर भागे अक्षय उर्फ सनी ठाकुर को पकड़ने के प्रयास जारी!

अंकलेश्वर में अ-प्रभाग पुलिस का मादक पदार्थों के खिलाफ सफल अभियान, तीन तस्कर गिरफ्तार। आरोपियों के पास से 12.12 ग्राम खतरनाक मादक पदार्थ और तौलने की मशीनें बरामद। कुल 3.76 लाख का सामान ज़ब्त, फरार आरोपी की तलाश जारी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अंकलेश्वर।** पुलिस ने भरूच ज़िले में मादक पदार्थों के काले कारोबार को खत्म करने के लिए कमर कस ली है। अंकलेश्वर शहर की अ-प्रभाग पुलिस दल ने मादक पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा और सफल अभियान चलाया और उमरवाड़ा मार्ग रेलवे ऊपरी पुल के नीचे से तीन लोगों को 12.12 ग्राम खतरनाक मादक पदार्थ के साथ रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस की इस अचानक छापेमारी से अंकलेश्वर और आसपास के इलाकों में अवैध

कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है। कोसंबा और अंकलेश्वर के तीन लोग सलाखों के पीछे! पुष्ट जानकारी के अनुसार, जब अ-प्रभाग पुलिस दल गश्त पर था, तो उन्हें उमरवाड़ा मार्ग ऊपरी पुल के नीचे कुछ संदिग्ध गतिविधि होने की सूचना मिली। पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और मौके से तीन आदतन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं: हेमंत दिनेश पटेल (निवासी कोसंबा) सौरभ प्रकाश देवरे (निवासी अंकलेश्वर) विशाल जुगल तिवारी (निवासी अंकलेश्वर) हालांकि, इस अभियान के दौरान अंकलेश्वर का एक और कुख्यात आरोपी, अक्षय उर्फ ??सनी ठाकुर, पुलिस को चकमा देकर और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने अलग-अलग दल बनाए हैं और तलाशी तेज कर दी है।

**तौलने वाली मशीनें, महंगे चौपहिया और दुपहिया वाहन ज़ब्त!**

पूछताछ के दौरान पुलिस ने तीनों गिरफ्तार आरोपियों से 12.12 ग्राम शुद्ध मादक पदार्थ बरामद किया, जिसकी कीमत ?36,370 है। आरोपी इन मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के लिए डिजिटल तौलने वाली मशीनें भी साथ रखे हुए थे, जिन्हें पुलिस ने ज़ब्त कर लिया है। इसके अलावा, पुलिस ने अपराध में उपयोग किए गए संचार उपकरण, दुपहिया वाहन और महंगे चौपहिया वाहन सहित कुल ?3.76 लाख से अधिक कीमत का सामान ज़ब्त किया है। सभी आरोपियों पर कड़े कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें कारागार भेज दिया गया है।

## मासूम छात्र को इतनी ज़ोर से थप्पड़ मारा कि कान का पर्दा फट गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** निकोल क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जो शिक्षा जगत को शर्मसार कर देगी और किसी भी संवेदनशील व्यक्ति का हृदय दहला देगी। पुष्ट जानकारी के अनुसार, चाणक्य विद्यालय में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र के अभिभावकों में भारी हंगामा और क्रोध है। बच्चों को विद्यालय पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए भेजा जाता है, न कि किसी के अत्याचार का शिकार बनने के लिए! कक्षा में हुई इस घटना के बाद, मासूम छात्र असहनीय कान दर्द के साथ घर पहुंचा। सर्वोच्च न्यायालय और सरकार के सख्त

नियमों के बावजूद कि विद्यालयों में बच्चों को शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती, चाणक्य विद्यालय के अधिकारी और शिक्षक किस हिम्मत से कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं?

**महानगर मेट्रो के सीधे और कड़े सवालः**

1. अहमदाबाद ज़िला शिक्षा अधिकारी उस बेरहम शिक्षक के विरुद्ध कब सख्त आपराधिक मामला दर्ज करेंगे जिसने इस मासूम छात्र के कान का पर्दा फाड़ दिया और उसे कारागार भेजेंगे?

2. 'चाणक्य विद्यालय' की मान्यता क्यों नहीं निलंबित की जानी चाहिए, जिसने अपने परिसर में ऐसी क्रूर घटना होने दी और शायद मामले को दबाने का प्रयास भी किया?

इस घटना के बाद, पीड़ित बच्चे का परिवार न्याय के लिए गुहार लगा रहा है और विद्यालय तंत्र के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। यह अनिवार्य है कि निकोल पुलिस भी इस मामले में वैधानिक कार्रवाई करे। 'महानगर मेट्रो समाचार' विद्यालय प्रशासन और आरोपी शिक्षक को खुली चेतावनी देता है 'महानगर मेट्रो' बच्चों पर होने वाले अत्याचार को कभी सहन नहीं करेगा!

## संक्षिप्त न्यूज

### महंगाई भत्ते में 3% बढ़ोतरी, एसटी कर्मचारियों को मिलेगा एरियर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब कर्मचारियों को 55 प्रतिशत की जगह 58 प्रतिशत डीए मिलेगा। बढ़ा हुआ डीए और बकाया एरियर भी दिया जाएगा, जिससे हजारों कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

### हिट एंड रन में रिटायर्ड जज्ष्ठह की मौत, ट्रक चालक फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** सरगासन ओवरब्रिज के नीचे तेज रफ्तार ट्रक ने एक्टिवा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे 68 वर्षीय सेवानिवृत्त सहायक तालुका विकास अधिकारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### चेयरमैन बनाने के नाम पर करोड़ों की ठगी, रुपये मांगने पर चाकू से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** राजस्थान पर्यटन निगम में चेयरमैन बनाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये लेने के बाद रकम लौटाने की मांग पर बदमाशों ने जिम के बाहर दो लोगों पर चाकू और हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने 11 आरोपियों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है, जबकि एक घायल आईसीयू में भर्ती है।

### निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना से साधना साहू का स्कूल पहुंचना हुआ आसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजनांदगांव।** शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना जिले की बालिकाओं के लिए शिक्षा की राह को आसान बना रही है। इस योजना के माध्यम से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने के लिए निःशुल्क सायकल उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास में भी वृद्धि हो रही है। पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव में अध्ययनरत कक्षा 9वीं की छात्रा साधना साहू ने बताया कि उन्हें योजना के अंतर्गत निःशुल्क सायकल मिली है। साधना ने बताया कि वे वार्ड क्रमांक 1 बजरंगपुर नवागांव से विद्यालय आती हैं। पहले उन्हें स्कूल आने के लिए ऑटो का इंतजार करना पड़ता था या अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय पर विद्यालय पहुंचने में कठिनाई होती थी। अब सायकल मिलने से वे बिना किसी परेशानी के समय पर स्कूल पहुंच सकेंगी और पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगी।

# बैंक से स्कूटी की डिक्की से 44 हजार की चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

## तुमडीबोड चौकी व साइबर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजनांदगांव।** जिले की तुमडीबोड़ पुलिस चौकी और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बैंक से रकम निकालकर जा रही महिला की स्कूटी की डिक्की से नकदी चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी का एक अन्य साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थीया रीता वैष्णव निवासी ग्राम दर्राबांधा (तेन्दूनाला) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 2 जून 2026 को उसने जिला सहकारी बैंक तुमडीबोड़ से 44,000 रुपये नकद निकाले थे। पैसे स्कूटी की डिक्की में रखकर वह घर लौट रही थी, तभी रास्ते में छत्तीसगढ़ होटल के पास नाश्ता करने रुकी। इसी दौरान आरोपी ने मौका देखकर बड़ी सफाई से डिक्की का लॉक तोड़कर नकदी पार कर दी। घटना की सूचना मिलने पर तुमडीबोड़ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे आरोपी की पहचान हुई। सायबर सेल की मदद से पुलिस की टीम ने मुलतई (मध्यप्रदेश) तक पीछा किया और मुख्य आरोपी विजय सिंह (42) पिता आनंदराम नट, निवासी विजयनगर, रायगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी जतीन ग्वाला के साथ मिलकर बैंक के आसपास रेकी करता था और मौका मिलते ही सुनियोजित ढंग से वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। फरार साथी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

# इडर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा की तैयारियां शुरू: रामजी मंदिर में नगर उत्सव समिति की एक अहम बैठक हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**इडर (साबरकांठा)।** साबरकांठा जिले के ऐतिहासिक शहर इडर में, भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथ यात्रा को लेकर अभी से ही भक्तिमय माहौल दिखने लगा है। यह यात्रा आषाढ़ी बीज के पवित्र दिन निकाली जाएगी। नगर उत्सव समिति ने इडर में रथ यात्रा के भव्य आयोजन के लिए ज़ोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी सिलसिले में, कल रात इडर के मशहूर रामजी मंदिर में एक अहम योजना बैठक हुई, जिसमें बड़ी संख्या में संत, महंत और शहर के नेता शामिल हुए और रथ यात्रा को यादगार बनाने के बारे में विस्तार से चर्चा की। इडर शहर में पिछले कई सालों से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े उत्साह के साथ निकाली जा रही है। परंपरा के अनुसार, नगर उत्सव समिति रथ यात्रा से एक महीने पहले ही अलग-अलग इलाकों में बैठकों का सिलसिला शुरू कर देती है। इन बैठकों में शहर के सभी समुदायों के नेता, व्यापारी और धार्मिक लोग इकट्ठा होते हैं और त्योहार की रूपरेखा तैयार करते हैं। रामजी मंदिर में हुई बैठक में समिति ने घोषणा की है कि आने वाली 10 से 15 तारीख तक शहर में कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

### इस साल क्या होगा खास आकर्षण?

इस बार रथ यात्रा के रास्ते और पूरे इडर शहर को शानदार लाइटों और झंडों से सजाया जाएगा। इसके अलावा, रथ यात्रा में शामिल होने वाले अलग-अलग अखाड़े और उनके अद्भुत करतब इस साल शहर के लोगों के

लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इस बैठक में नगर उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रदीपभाई खराड़ी, उपाध्यक्ष कुणालभाई सागर और कोषाध्यक्ष भंवरलाल सोनी ने आने वाले कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं के बारे में खास जानकारी दी। इस सभा में आध्यात्मिक ऊर्जा भरने के लिए महाकालेश्वर मंदिर के सम्मानित महंत महाकाल गिरी महाराज, राम धर मंदिर के महंत, साथ ही शहर के नेता कैलाशभाई, प्रकाशभाई परमार, विष्णुभाई सागर, रिटायर्ड टीचर वी.के. पटेल, संजयभाई सोनी, विपुलभाई लोनवाला, किशनभाई सोनी और बड़ी संख्या में उत्साही कार्यकर्ता व शहरवासी मौजूद थे। सभी धर्मों के लोग और संगठन इडार रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए सेवा कार्य में जुट गए हैं; यह यात्रा सांप्रदायिक एकता और अटूट आस्था का प्रतीक है। नगर उत्सव समिति ने सभी भक्तों को आने वाले दिनों में होने वाले धार्मिक उत्सवों में शामिल होने का हार्दिक निमंत्रण दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि जब भगवान जगन्नाथ, अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ आषाढ़ी के दूसरे दिन शहर की सड़कों पर निकलेंगे, तो पूरा इडार शहर भक्ति के रंगों से सराबोर हो जाएगा।

# कांकरेज के रवियाना गांव से 4.72 लाख रुपये मूल्य का अफीम का रस ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बनासकांठा।** ज़िले में अवैध मदिरा और नशीले पदार्थों की तस्करी व जमाखोरी को जड़ से समाप्त करने के लिए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। ज़िले में विशेष अभियान दल द्वारा चलाए जा रहे 'बनासकांठा में मादक पदार्थ निषेध' अभियान के तहत, नशीले पदार्थों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए अत्यंत सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस विशेष अभियान के दौरान, पालनपुर विशेष अभियान दल की एक टुकड़ी ने कांकरेज तहसील के रवियाना गांव में एक कृषि गृह पर अचानक छापा मारा और वहां छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित अफीम का रस ज़ब्त किया। पुलिस ने 4.72 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ और कुल 4.77 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त की है और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। कृषि गृह में चल रहा था काला कारोबार मिली जानकारी के अनुसार, विशेष अभियान दल सिहोरी पुलिस थाने के क्षेत्र में गश्त कर रहा था। इसी दौरान, एक विश्वसनीय गुप्त सूचना के आधार पर, दल ने रवियाना गांव के कृषि क्षेत्र में स्थित अमराभाई करशनभाई पटेल के घर पर अचानक छापा मारा। घर की सघन तलाशी लेने पर चार पारदर्शी थैलियों में छिपाकर रखा गया कुल 944.10 ग्राम अफीम का रस मिला। इस नशीले पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार मूल्य 4,72,050 रुपये बताया गया है। सिहोरी पुलिस थाने में मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज चूंकि अफीम के रस की यह मात्रा बिना किसी अनुमति पत्र या अनुज्ञा पत्र के अवैध रूप से जमा की गई थी, इसलिए विशेष अभियान दल ने आरोपी अमराभाई पटेल को

घटनास्थल से ही हिरासत में ले लिया। पुलिस ने नशीले पदार्थों और अन्य वस्तुओं सहित कुल 4,77,050 रुपये ज़ब्त किए हैं। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध सिहोरी पुलिस थाने में कड़े मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब पुलिस इस दिशा में आगे की सघन जांच कर रही है कि इस काले कारोबार के तार और कहां-कहां जुड़े हुए हैं।

### गांधीनगर में खुली गुंडागर्दी! कुडासन रोड पर फिल्मी स्टाइल में मारपीट, लोग कार के बोनट पर चढ़े और दरवाज़ा तोड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** पटनागर गांधीनगर का पॉश कुडासन रोड कल फिल्मी अखाड़े में तब्दील हो गया। शांत माने जाने वाले गांधीनगर में दिनदहाड़े बीच सड़क पर एक भयानक मारपीट की घटना सामने आई है। ट्रैफिक से गुलजार रहने वाले कुडासन रोड पर ड्राइवरों में किसी बात को लेकर ऐसा हंगामा हुआ कि नौबत तोड़फोड़ और खुली गुंडागर्दी तक आ पहुंची। इस हंगामे की वजह से सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों में काफी दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक, कुडासन रोड पर किसी बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। गुस्से में अंधे कुछ असामाजिक तत्वों ने बिना कानून के डर के सड़क पर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। गुस्सा इतना ज़्यादा था कि एक आदमी सड़क पर कार के बोनट पर कूदने लगा और कार का दरवाज़ा भी तोड़ दिया। दिनदहाड़े पब्लिक रोड पर फ़िल्मी विलेन की तरह कारों पर कूदते और तोड़-फोड़ करते इन लोगों को देखकर, गुज़र रहे गाड़ी वाले भी रुक गए। सड़क पर इस ज़बरदस्त हंगामे और लड़ाई की वजह से कुडासन रोड पर ट्रैफ़िक जाम लग गया और काफ़ी अफ़रा-तफ़री मच गई। गांधीनगर जैसे शांत शहर में, जब गैंगस्टर इतने पॉश इलाके की मेन रोड पर आतंक मचाते हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा पर बड़े सवाल उठते हैं। इस घटना को देखने वाले लोकल लोग और दुकानदार भी कुछ देर के लिए डर गए। अब देखना यह है कि पुलिस उन्हें कब सज़ा दिलाएगी इस पूरी घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अभी हाल ही में गांधीनगर पुलिस ने इंफोसिटी इलाके में कुछ ही घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून का पाठ पढ़ाया था, अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं

# PM मोदी का मास्क पहनकर आया और 5 लाख के मोबाइल फोन चुरा ले गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भीलवाड़ा।** आपने चोरी की घटनाओं के बारे में तो बहुत सुना होगा, लेकिन राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के करेड़ा तालुका से एक अजीबोगरीब चोरी का मामला सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस भी सिर खुजलाने पर मजबूर हो गई है। यहां चोरों ने चोरी करने का जो तरीका अपनाया है, उसे देखकर स्थानीय लोग कह रहे हैं - 'इतने बेशर्म और शातिर चोर मैंने पहले कभी नहीं देखे! मिली जानकारी के मुताबिक, तस्करों ने सोमवार आधी रात को करेड़ा बस स्टैंड के पास एक मोबाइल की दुकान को निशाना बनाया। चोर शटर तोड़कर दुकान में घुसे और कुछ ही मिनटों में दुकान साफ ??कर दी। दुकान मालिक के मुताबिक, चोरों ने लगभग ?4 से ?5 लाख कीमत के 35 से 40 कीमती स्मार्टफोन चुरा लिए और रफूचक्कर हो गए। अपनी पहचान छिपाने के लिए PM मोदी के मास्क का सहारा लिया पूरी घटना दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने जब CCTV फुटेज चेक की तो अधिकारी भी हैरान रह

चोरों में से एक ने अपनी पहचान छिपाने और CCTV में अपना चेहरा न दिखाने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेस मास्क पहन लिया! अपना काला चेहरा PM मोदी के मास्क के पीछे छिपाकर इस बेशर्म चोर ने लाखों रुपये के मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया। वीडियो में चोर आराम से फोन चुराता हुआ दिख रहा है। इस अजीब और दुस्साहसिक चोरी से पूरे जिले के व्यापारियों में गुस्से और हैरानी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय करेड़ा पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर इस 'नकाबपोश' चोर और उसके साथियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब देखना यह है कि पुलिस PM मोदी के मास्क के पीछे छिपे इस बेशर्म चोर के असली चेहरे से कब नकाब हटाती है!

# कृष्णानगर डकैती मामले में बड़ा खुलासा: मुख्य आरोपी अजय गगडेकर की पत्नी दिव्या गिरफ्तार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** पुलिस ने अहमदाबाद के कृष्णानगर क्षेत्र में सरदार चौक पर 27 जून को चलचित्र अंदाज़ में हुई 50 लाख रुपये की सनसनीखेज डकैती के मामले में बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस चौंकाने वाली डकैती को अंजाम देने वाले कुख्यात 'छारा गिरोह' के अजय उर्फ ??अजुभा गगडेकर की पत्नी दिव्या गगडेकर को गिरफ्तार किया है। कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस दिव्या से 25 लाख रुपये नकद बरामद करने में सफल रही है। दुर्घटना का नाटक करके कुछ ही मिनटों में डकैती को अंजाम दिया गया घटना की जानकारी के अनुसार, 27 जून को असामाजिक तत्वों ने सरदार चौक के पास एक वाहन को रोका और दावा किया कि दुर्घटना हो गई है। जैसे ही वाहन रुका, गिरोह के साथियों ने वाहन का शीशा तोड़ा और अंदर रखे 50 लाख रुपये नकद से भरा थैला छीनकर भाग गए। इस मामले में कृष्णानगर पुलिस ने अजय उर्फ अजुभा गगडेकर और तीन साथियों के

विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पत्नी दिव्या ही पूरे गिरोह की 'मुखिया' निकलीः लूट की रकम बांटने से लेकर न्यायालय का काम-काज संभालने तक पुलिस जांच में इस गिरोह के बारे में बहुत चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। जब भी डकैती करने वाला यह 'छारा गिरोह' कोई अपराध करता था, तो लूटा गया सारा सामान मुख्य सूत्रधार अजय की पत्नी दिव्या गगडेकर को सौंप दिया जाता था। दिव्या ही इस गिरोह को असल में चलाती थी और वही तय करती थी कि किसे कितना हिस्सा मिलेगा। इतना ही नहीं, जब गिरोह के सदस्य पकड़े जाते थे, तो उन्हें कारागार से छुड़ाना, वकील करना और न्यायालय से जुड़े सभी वैधानिक काम भी यही 'महिला सरगना' दिव्या गगडेकर ही संभालती थी। गुजरात आतंकवाद और संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (गुज्सीटोक) के तहत शामिल अंतरराज्यीय गिरोहः 30 से ज़्यादा अपराधों का इतिहास पुलिस के अनुसार, यह चोरों और लुटेरों का कोई आम गिरोह नहीं है, बल्कि डकैती और चोरी में माहिर एक पेशेवर गिरोह है। इस गिरोह के विरुद्ध पहले भी अलग-अलग राज्यों में करीब 30 गंभीर अपराध दर्ज हो चुके हैं। गिरोह की गंभीरता को देखते हुए, उन पर 'गुजरात आतंकवाद और संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम' जैसे कड़े कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। अजय गगडेकर के अलावा, इस गिरोह में ये आदतन अपराधी भी शामिल हैंः प्रतीक पनवेकर, विशाल तनवानी, शंकुल भोगेकर। जो लोगों को डरा-धमकाकर सड़क पर लूटने में माहिर हैं। फिलहाल, पुलिस ने गिरोह के सरगना अजय की पत्नी को कारागार भेज दिया है और बाकी बचे 25 लाख रुपये का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, पुलिस ने अलग-अलग दल बनाए हैं

### दायित्व मिलने पर माना वरिष्ठ नेताओं का आभार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजनांदगांव।** भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने रत्नावली कौशल को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला इकाई का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण संगठनात्मक दायित्व के लिए रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय,महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी का तहेदिल से आभार व्यक्त किया है। रत्नावली कौशल ने संगठन के प्रति आस्था की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा- 'भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का मैं पूरा प्रयास करूंगी। मैं पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने हेतु पूरी निष्ठा, समर्पण भाव से एवं सक्रियता के साथ कार्य करूंगी।' रत्नावली कौशल ने आगे कहा- 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के सुशासन के संकल्प और उनके नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदेश की अंतिम पंक्ति की महिलाओं तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से प्रेरणा लेकर हम प्रत्येक महिला को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।

### ट्रंप ने सुबह 6 बजे PM मोदी को कॉल किया! US एम्बेसडर ने दोस्ती का मज़ेदार किस्सा शेयर किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वॉशिंगटन/नई दिल्ली।** भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनर्जी और उनके कमाल के काम करने के तरीके के दीवाने सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में भी हैं। हम सब जानते हैं कि PM मोदी 24 घंटे में सिर्फ़ साढ़े तीन या चार घंटे ही सोते हैं। लेकिन यह बात स PRESIDENT डोनाल्ड ट्रंप भी अच्छे से जानते हैं! हाल ही में स एम्बेसडर सर्जियो गोर ने ट्रंप और PM मोदी की अटूट दोस्ती का एक दिलचस्प और मज़ेदार किस्सा शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। US एम्बेसडर सर्जियो गोर ने एक इंटरव्यू के दौरान पुरानी यादें ताज़ा करते हुए बताया कि एक बार डोनाल्ड ट्रंप को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक ज़रूरी मुद्दे पर बात करनी थी। ट्रंप ने सुबह 6 बजे PM मोदी को कॉल करने का फ़ैसला किया। यह देखकर ट्रंप के स्टाफ़ और अधिकारी टेंशन में आ गए। अधिकारियों ने ट्रंप को रोका और कहा, 'सर, इंडिया में अभी बहुत अजीब टाइम होगा या PM मोदी सो रहे होंगे, हमें थोड़ा इंतज़ार करना चाहिए। फिर डोनाल्ड ट्रंप का जवाब सुनकर पूरा स्टाफ़ हैरान रह गया। ट्रंप ने मुस्कुराते हुए और कॉन्फिडेंस से कहा, 'अरे ब्रो, चिंता मत करो... मोदी जी जाग गए होंगे, वे तो सोते ही नहीं!' और सच में, जब फ़ोन कनेक्ट हुआ, तो PM मोदी बहुत एक्टिव मूड में थे और दोनों नेताओं के बीच अच्छी बातचीत हुई।

### चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर 3 वाहन को किया गया जप्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजनांदगांव।** कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा अर्जुनी, रायतापायली, बीजेभांठा, डोंगरगांव, खुज्जी, कुमरदा, लक्ष्मणभरदा, किरगी, सुरगी, सिंघोला, तुमड़ीबोड़, इन्दामारा, सोमनी सहित अन्य क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर 3 वाहनों को जप्त किया गया। इसके तहत ग्राम करेली में कोटगुल महाराष्ट्र निवासी चंदन शेखावत के स्वामित्व के हाईवा एमएच 33 टी 5852 से बिजरावन मध्यप्रदेश निवासी वाहन चालक बहादुर सिंह एवं ग्राम खुर्सीपार में डोंगरगांव निवासी गोविन्द देवांगन के स्वामित्व के माजदा सीजी 08 एएन 8053 से बाजार नवागांव निवासी वाहन चालक उमेश यादव द्वारा चूना पत्थर का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया।

## दैनिक राशिफल

1 जुलाई 2026, बुधवार

**मेष**
कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

**वृषभ**
रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ के योग हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन**
नौकरी में सफलता के संकेत हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्च से बचें।

**कर्क**
पारिवारिक सुख बढ़ेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। निवेश सोच-समझकर करें।

**सिंह**
आत्मविश्वास बढ़ेगा। सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है।

**कन्या**
मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कारोबार में प्रगति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

**तुला**
धन लाभ के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। वाणी पर संयम रखें।

**वृश्चिक**
पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। सेहत सामान्य रहेगी।

**धनु**
भाग्य का साथ मिलेगा। नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। परिवार में खुशियां रहेंगी।

**मकर**
कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।

**कुंभ**
करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

**मीन**
धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। रुका हुआ धन मिलने के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

# क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

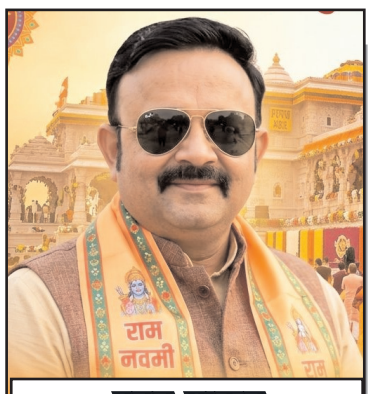



**पवन माकन**
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के



भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

## संपादकीय

### वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडि?ा में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा।

## चिंतन-मनन

### उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

# राम की चिड़िया, राम का खेत

यह एक कहावत है, लेकिन इसे एक गाने के रूप में भी देखा जा सकता है - 'राम की चिड़िया, राम का खेत, खा लो चिड़िया भर-भर पेट '। इसीलिए यह याद रखना ज़रूरी है कि हाल ही में राम मंदिर से दान की चोरी का मामला चर्चा और खबरों में रहा है। भारत में राम के कई भक्त, जो 500 सालों से मंदिर के लिए आस लगाए बैठे थे, उन्होंने मस्जिद के मामले के अंतिम निपटारे के लिए प्रार्थना की थी। इससे बहुत से लोगों की आस्था और भावनाएं जुड़ी हुई थीं। आखिरकार, सालों के इंतज़ार के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ। राम मंदिर के निर्माण में 'राम जन्मभूमि न्यास' (तीर्थ स्थल ट्रस्ट) काम कर रहा था। चाहे कोर्ट में बहस हो, मंदिर निर्माण के लिए दान इकट्ठा करना हो या इसके लिए सभी इंतज़ाम करना हो - इस जन्मभूमि न्यास (यानी ट्रस्ट) ने इन सभी में अहम भूमिका निभाई। फिर सरकार ने उन्हें मंदिर के रखरखाव और प्रबंधन की ज़िम्मेदारी भी सौंप दी! जिस तरह राम मंदिर के बक्सों, चढ़ावे और दान की चोरी की कहानी सामने आ रही है, उससे लगता है कि वे अपनी ज़िम्मेदारियां निभाने में नाकाम रहे हैं या उनमें कमी रह गई है। भले ही जन्मभूमि ट्रस्ट के कोई नेता इस चोरी में शामिल न हों, लेकिन वे चोरी करने वाले की ज़िम्मेदारी से अप्रत्यक्ष रूप से भी खुद को अलग नहीं कर सकते! राम मंदिर को दिए गए दान और उसकी चोरी के तरीके पर कई सवाल उठ रहे हैं। मुंबई के एक व्यक्ति का दावा है कि उन्होंने मंदिर को 200 किलो चांदी दी थी, तो उसका इस्तेमाल कहाँ हुआ? कुछ लोगों का कहना है कि पिछले तीन सालों में 3,500 करोड़ रुपये के दान में से केवल 80 करोड़ रुपये ही बैंक में हैं। तो कोई पूछता है कि राम मंदिर के नाम पर इकट्ठा की गई चांदी की ईंटें और कई अन्य दान कहाँ गए? मुख्यमंत्री योगी जी ने इस मामले पर गंभीरता से एक विशेष जांच टीम नियुक्त की। इस टीम ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया और उनसे 79 लाख रुपये ज़ब्त किए। यानी, क्या कहीं कोई गड़बड़ हुई है? किसने किया है? कितना हुआ है!? ट्रस्ट के सदस्यों की क्या ज़िम्मेदारी है? इस बात पर भी सवाल उठते हैं कि उन्होंने पूरे मामले को कैसे संभाला! स्पेशल टीम ने जांच की और आठ लोगों को गिरफ़्तार किया, जो सभी राम मंदिर में असिस्टेंट के तौर पर काम कर रहे थे। मुख्य ज़िम्मेदारी वाला कोई व्यक्ति इसमें शामिल नहीं है। राम मंदिर ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी श्री चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा ने इस्तीफ़ा दे दिया है, लेकिन क्या यह इस्तीफ़ा ज़िम्मेदारी तय करने के लिए काफ़ी है?! कई हिंदू नेता चंपत राय के बचाव में सामने आए हैं। लेकिन उन्होंने राम मंदिर में हुई चोरी के बारे में कुछ क्यों नहीं कहा? जनता उन संगठनों की ओर देख रही है जो हिंदू धर्म का झंडा उठाए हुए हैं कि राम मंदिर में चोरी कैसे हुई?! मंदिर के निर्माण में चंपत राय का योगदान अहम है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी के बावजूद वे लापरवाह बने रहें?! चोरी किस हद तक, कहाँ, कितनी और किस मात्रा में हुई है? कितना नुकसान हुआ है? ऐसे मामलों पर सवाल कम नहीं होने वाले हैं। एक और सवाल यह है कि अगर मंदिर में चोरी इतने लंबे समय से हो रही थी, तो यह मामला अब क्यों सामने आया?! क्या इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण है, यह भी जांच का विषय है! योगी आदित्यनाथ न केवल एक निष्पक्ष, तटस्थ और पारदर्शी नेता हैं, बल्कि एक पवित्र संत भी हैं। लोगों ने न केवल कई बार उन पर भरोसा जताया है, बल्कि उन्होंने अपने सामने आई राजनीतिक चुनौतियों का भी डटकर सामना किया है और उन्हें नाकाम किया है। इसके बावजूद, आज उनके ख़िलाफ़ कई राजनीतिक तलवारें खिंची हुई हैं; क्या इस घटना को भी उन्हीं तलवारों में से एक के तौर पर देखा जा सकता है! खैर, सवाल चाहे जो भी हों, वे सवाल ही बने रहेंगे। लेकिन अगर उनके जवाब जनता तक नहीं पहुँचते हैं, तो हम बहुत बड़ी गद्दारी कर रहे होंगे। लेकिन एक बात तय है कि यह मंदिर 'डाला तरवाड़ी' का बगीचा नहीं है; आस्था बनाए रखने के लिए योगी को एक श्वेत पत्र (2द्धद्बह्लद्द श्चड्डश्चद्गह्) जारी करना चाहिए और राम के



प्रति आस्था की लौ को जलाए रखना चाहिए।

**--टाखूभाई सैंडसुर**

# राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

**योगेश कुमार गोयल**

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुगार्पुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर



को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

## गोंडा : बीएड की परीक्षा देने गई थी छात्रा, बारिश के चलते करंट के चपेट में आई, बहन को बचाने में चली गई भाई की जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गोंडा।** बीएड की परीक्षा देने गई छात्रा अचानक करंट की चपेट में आ गई। इस दौरान बहन को बचाने में बड़ी भाई की जान चली गई। नगर पालिका और बिजली विभाग को लेकर लोगों में आक्रोश है।

### गोंडा में करंट से युवक की मौत

विशाल सिंह, गोंडाः गोंडा में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के सामने बीएड की परीक्षा देने आई एक छात्रा करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई, जबकि अपनी बहन को बचाने की कोशिश में उसके भाई की जान चली गई।

### बीएड की परीक्षा देने गई थी छात्रा

बहराइच जिले के हजूरपुर थानाक्षेत्र निवासी 20 वर्षीय प्राची अपने 25 वर्षीय भाई विमल के साथ बीएड की परीक्षा देने गोंडा आई थी। मंगलवार सुबह दोनों लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज पहुंचे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से ठीक पहले कॉलेज के सामने सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के खम्भे में बारिश के कारण करंट उतर आया था। अचानक प्राची का संपर्क उस खम्भे से हो गया और वह जोरदार करंट लगने से खम्भे से चिपक गई।

## 12 हजार की सैलरी, 24 लाख का मकान... चंदा चोरी में गिरफ्तार लवकुश मिश्रा तो निकला धनकुबेर

**24 लाख का मकान... चंदा चोरी में गिरफ्तार लवकुश मिश्रा तो निकला धनकुबेर**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अयोध्या।** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच अब सिर्फ पूछताछ और कैश बरामदगी तक सीमित नहीं रह गई है. पुलिस की नजर अब आरोपियों की चल-अचल संपत्तियों पर भी है. इसी कड़ी में अयोध्या के शहादतगंज-बबीरपुर इलाके में बन रहा एक दो मंजिला मकान चर्चा का विषय बन गया है. स्थानीय लोगों का दावा है कि यह मकान गिरफ्तार आरोपी लवकुश मिश्रा के परिवार का है, जबकि उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों के अनुसार संपत्ति उसकी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम दर्ज है. लोग सवाल उठा रहे हैं कि 12 हजार सैलरी की नौकरी करने वाले आरोपी के परिवार के नाम इतनी तेजी से तैयार हो रही इस संपत्ति की कहानी क्या है? इसका जवाब अब जांच एजेंसियां तलाश रही हैं. राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपियों की आर्थिक गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है. इसी क्रम में कई आरोपियों के घरों पर छापेमारी हुई, जहां से नकदी, जेवर और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिलने की बात सामने आई थी. अयोध्या के जयपुरिया स्कूल के पास शहादतगंज-बबीरपुर इलाके में करीब एक हजार वर्गफुट क्षेत्रफल में एक दो मंजिला मकान का निर्माण चल रहा है. मौके पर पहुंचने पर साफ दिखाई देता है कि मकान का स्ट्रक्चर लगभग तैयार हो चुका है. दीवारें खड़ी हैं, कमरों का आकार स्पष्ट है और बिजली की वायरिंग का काम भी काफी हद तक पूरा हो चुका है. ऊपर की मंजिल पर भी निर्माण जारी था. स्थानीय लोगों के मुताबिक, निर्माण कार्य पिछले कुछ महीनों से लगातार चल रहा था.

### दस्तावेज क्या कहते हैं

उपलब्ध राजस्व अभिलेखों के अनुसार, इस जमीन का दाखिल-खारिज 6 मार्च 2026 को हुआ था. दस्तावेजों में यह संपत्ति सुप्रिया मिश्रा के नाम दर्ज है, जिन्हें स्थानीय लोग आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी बताते हैं. हालांकि, संपत्ति किस पैसे से खरीदी गई या निर्माण में इस्तेमाल राशि का स्रोत क्या था, यह जांच का विषय है.

### पड़ोसी ने क्या बताया

मकान के बगल में रहने वाले स्थानीय निवासी राजकुमार पांडे ने दावा किया कि यह मकान लवकुश मिश्रा के परिवार का है. उनके अनुसार, फरवरी के अंतिम सप्ताह में भूमि पूजन के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ था. उन्होंने बताया कि निर्माण के दौरान लवकुश मिश्रा और उनके परिवार के सदस्य समय-समय पर यहां आते थे.

# नीमच में बना दुनिया का सबसे सस्ता 'वैनिला सोलर' प्रोजेक्ट... महज 2.14 मिलेगी बिजली

**मध्य प्रदेश के नीमच सोलर पार्क के नाम एक बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मध्य प्रदेश।** केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मध्य प्रदेश में कुल 950 मेगावाट क्षमता वाली दो सोलर पावर परियोजनाओं का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि नीमच सोलर पार्क का टैरिफ 2.14 रुपये प्रति यूनिट है, जो शायद दुनिया में किसी 'वैनिला सोलर' प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम है. एनर्जी सेक्टर में 'वैनिला सोलर' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर उन सोलर पावर प्रोजेक्ट्स के लिए किया जाता है जो सिर्फ सोलर पैनल से बिजली बनाते हैं और जिनमें बैटरी स्टोरेज जैसी अतिरिक्त सुविधाएं नहीं होती हैं. जोशी ने एक भव्य समारोह में रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स नीमच में 500 मेगावाट का सोलर पार्क और शाजापुर में 450 मेगावाट का सोलर पार्क का उद्घाटन किया. इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे. जानकारी के अनुसार नीमच सोलर पार्क में बनने वाली बिजली का टैरिफ 2.14 रुपये, 2.149 रुपये और 2.15 रुपये प्रति यूनिट है. यह पार्क तीन यूनिट में फैला है और कुल 2500 एकड़ जमीन पर बना है. उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे और राज्य ग्रिड को साफ-सुथरी बिजली सप्लाई करेगा. उद्घाटन समारोह में बोलते हुए नए और रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री जोशी ने कहा, 'नीमच सोलर पार्क में बहुत अच्छा काम हुआ है. जहां तक मुझे पता है, 2.14 रुपये प्रति यूनिट का टैरिफ शायद वैनिला सोलर प्रोजेक्ट से बनने वाली बिजली के लिए सबसे कम है - न सिर्फ देश में, बल्कि पूरी दुनिया में. 'उन्होंने रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में राज्य सरकार की कोशिशों की तारीफ़ की और कहा कि मध्य प्रदेश एक 'ग्रीन एनर्जी पावरहाउस' बन रहा है. जोशी ने कहा कि राज्य की कुल 38 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता में से लगभग 12 गीगावाट क्षमता रिन्यूएबल एनर्जी स्रोतों पर आधारित है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम्मीदों के अनुसार, राज्य की कुल बिजली उत्पादन क्षमता में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत होनी चाहिए. केंद्र सरकार की स्टडीज़ के अनुसार, राज्य में लगभग 55 गीगावाट विंड एनर्जी पैदा करने की क्षमता है. उन्होंने कहा कि अभी राज्य में 3.7 गीगावाट विंड एनर्जी क्षमता लगी हुई है और 1.3 गीगावाट क्षमता वाले प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है. जोशी ने कहा, 'अगर अगले दो सालों के लिए लक्ष्य तय करके राज्य में पवन ऊर्जा उत्पादन को कम से कम 10 गीगावाट तक बढ़ाया जाता है, तो बिजली की लागत काफी कम हो जाएगी. इससे राज्य के किसानों और उद्योगों को फायदा होगा और नए औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा. केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य की हर

सरकारी इमारत में सोलर पावर प्रोजेक्ट होना चाहिए. इस कार्यक्रम में जोशी और मुख्यमंत्री यादव ने लगभग 1554 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश वाले 38 औद्योगिक प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया. अधिकारियों ने बताया कि इन प्रोजेक्ट्स से 3200 से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा.

# खाने का स्वाद बिगड़ा तो IPL क्रिकेटर और उसके IPS पिता ने कुक को पीटा! भोपाल में FIR दज

**आईपीएल खिलाड़ी शशांक सिंह और उनके पिता IPS शैलेश सिंह के खिलाफ भोपाल के रातीबड़ थाने में एफआईआर दर्ज की गई है. उनके कुक ने बंधक बनाने, गाली-गलौज करने और बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगाया है.**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** इंडियन प्रीमियर लीग के क्रिकेटर शशांक सिंह और उनके पिता रिटायर्ड आईपीएस पिता शैलेश सिंह पर गंभीर आरोप लगे हैं. भोपाल पुलिस ने अपने घर के रसोइए के साथ मारपीट करने, गाली-गलौज करने और उसे अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने के आरोप में दोनों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है. इस मामले में परिवार के ड्राइवर को भी सह-आरोपी बनाया गया है. यह पूरी घटना भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र के मेंदोरी गांव स्थित उनके आवास की है. मूल रूप से रीवा जिले के रहने वाले 31 वर्षीय पीड़ित रसोइए विपेंद्र सिंह तोमर ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. विपेंद्र के मुताबिक, उन्हें हाल ही में एक परिचित के जरिए 15000 प्रति माह वेतन, रहने-खाने की सुविधा और भविष्य में सरकारी नौकरी दिलाने के आश्वासन पर पूर्व पुलिस अधिकारी के नील बड़ बंगले पर काम के लिए लाया गया था. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि काम शुरू करने के कुछ ही घंटों के भीतर खाने की क्वालिटी को लेकर उन पर भारी मानसिक दबाव बनाया गया और गाली-गलौज की गई. पीड़ित कुक के अनुसार, जब उसने घर के खराब माहौल को देखकर नौकरी छोड़ने और वापस रीवा लौटने की इच्छा जताई, तो आरोपी भड़क गए. उसका मोबाइल फोन जबरन छीन लिया गया ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके और उस पर जबरन काम करने का दबाव बनाया गया. खुद को बचाने के लिए कुक ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया, लेकिन आरोप है कि पिता-पुत्र की जोड़ी और उनके ड्राइवर ने दरवाजा खोलकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की. पुलिस द्वारा कराए गए मेडिकल परीक्षण में पीड़ित के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मारपीट की पुष्टि हुई है. रातीबड़ पुलिस ने औपचारिक शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है. यह मामला भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 296 (अश्लील कृत्य और सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज), धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना/मारपीट) और धारा 3(5) (साझा आपराधिक दायित्व/समान इरादे से कई लोगों द्वारा किया गया कृत्य) शामिल हैं.

## 'सुनो जितेंदर, रिश्वत वापस करो नहीं तो इलाज कर दूंगा', कौन हैं MLA लक्ष्मीराज सिंह जो पेशकार पर भड़क गए

**बुलंदशहर की सिकंदराबाद सीट से विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने तहसील पहुंचकर एसडीएम के पेशकार को वीडियो कॉल लगाया**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बुलंदशहर।** यूपी के बुलंदशहर में बीजेपी विधायक लक्ष्मीराज सिंह भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर सिकंदराबाद तहसील पहुंचे। यहां उन्होंने अफसरों को जमकर फटकार लगाई। इसका एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। इसमें विधायक एसडीएम के पेशकार को वीडियो कॉल पर रिश्वत की रकम के बदले दोगुना पैसा वाप लौटाने का निर्देश दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी अधिकारी ने गलती की है तो उसका भी 'अरेंजमेंट' किया जाए। बीजेपी विधायक का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर यूजर्स जमकर तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जनप्रतिनिधि इस तरह के हो जाएं तो सिस्टम अपने आप सही हो जाए।

### 'तुम एसडीएम की बदनामी करा रहे हो'

वीडियो में विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा- 'सुनो जितेंदर, रिश्वत के पैसे वापस करो। 4000 रुपये के बदले तुमको 8000 रुपये देने पड़ेंगे। पैसे नहीं दिए तो इलाज कर दूंगा तुम्हारा। तुम एसडीएम की बदनामी करा रहे हो। मैं तुम्हारा सस्पेंशन करा दूंगा।गौरतलब है कि लक्ष्मीराज सिंह सिकंदराबाद सीट से बीजेपी विधायक हैं। वह भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने छात्र जीवन में ही राजनीति में कदम रख दिया था। वह आईपी डिग्री कॉलेज बुलंदशहर में छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे। 2022 में चुनाव जीतकर बने पहली बार विधायक लक्ष्मीराज सिंह 2022 विधानसभा चुनाव में सिकंदराबाद से खड़े हुए थे।

# युवा व्यवसायी सतीश सांवेरवाला बने स्थानकवासी जैन समाज के नवीन अध्यक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागदा।** मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला ने बताया कि 29 जुन सोमवार को संपूर्ण स्थानकवासी जैन श्रीसंघ की अध्यक्ष चयन के लिये एवं साधारण मीटिंग रखी गई। मीटिंग में 12 वर्षों से मजबूती, सरलता, सौम्य व्यवहार, समाज के सभी कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने वाले, अध्यक्ष श्री प्रकाशचन्द्र सांवेरवाला ने निजी एवं स्वास्थ्यलाभ के चलते अपना निवृत्ति पत्र समाज के समक्ष रखा और कहा कि संपूर्ण जैन श्रीसंघ को धन्यवाद जिन्होने मुझे 12 वर्ष तक समाज सेवा करने का मौका दिया। आप के सहयोग से ही मैं सामाजिक कार्यों को कर पाया हूँ। अब मैं अपने पद से निवृत्त हो रहा हूँ। समाजजन ने निवृत्ति पत्र स्वीकार कर नये अध्यक्ष के लिये प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव में सर्वसम्मति से जीवदया मानव सेवा समिति के संस्थापक, महावीर इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष, एमआईएसओ ग्रुप के अध्यक्ष एवं कई संस्था को सुचारू रूप से चलाने वाले युवा कपड़ा व्यवसायी श्री सतीश लुणावत सांवेरवाला को स्थानकवासी जैन समाज का अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुनते ही सभी जनो ने करतल ध्वनि से एवं पुष्पमाला के साथ सतीश सांवेरवाला का स्वागत किया और बधाईयां दी। अध्यक्ष बनते ही सांवेरवाला ने कहा कि मुझे आपने अध्यक्ष बनाया इसके लिये धन्यवाद। मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ समाज के सभी कार्य सफलतापूर्वक करूंगा और समाज के उत्थान के लिये सतत कार्य करता रहूंगा।मीटिंग सभा में पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र सांवेरवाला, पूर्व ट्रस्ट अध्यक्ष राजेन्द्र कांठेड, ट्रस्ट अध्यक्ष रवि कांठेड़, जिला मंत्री राजेश धाकड़,पंकज मारू, चातुर्मास समिति अध्यक्ष दिलीप कांठेड़, सचिव अरविंद नाहर, कमल जैन सहारा, श्रेणिक बम, अमरचन्द जैन, राजा कर्नावट, पारस पोखरना, अनिल पावेचा, निर्मल चपलोत, चंद्रशेखर जैन, धर्मेन्द्र बम, निर्मल दलाल, चंदनमल संघवी, अमित बम, संजय मुरडिया, रमेश तरवेचा, लोकेश कर्नावट, मनोज चपलोत, रमेशचन्द्र तांतेड़ मुनिमजी, विनोद राठौड, गंभीरमल पावेचा, किशोर राठोड, राजेन्द्र दलाल, सुभाष छोरिया, पार्थ कांठेड, चंद्रप्रकाश कांठेड, विजय संघवी, कमलनयन जैन, आकाश, आशीष, अनूप वोरा, जितेश भण्डारी, सुरेन्द्र पितलिया, हितेश कांठेड, संदीप चपलोत, मयंक चपलोत, रवि संघवी, नवीन तरवेचा, सागरमल भण्डारी, दीपक चौहान, अर्जुन जाजोरिया , ललित सौलंकी, वल्लभ पाटीदार, जीवनलाल जैन चायवाले ,उज्जवल लुणावत, उमंग मुरडिया, निलेश सांवेरवाला, राजेन्द्र लुणावत, दिनेश ओरा, जयेश राठौड, आत्माराम राठौड आदि ने सतीश सांवेरवाला को बधाइ् एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

## 'मेरे पति को कुछ हुआ तो भाजपा सरकार होगी जिम्मेदार

**अयोध्या में नजरबंद अजय राय की पत्नी ने जताई नाराजगी**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी विवाद थमता नहीं दिख रहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल अजय राय के नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचा है। पुलिस ने होटल में रुके अजय राय को नजरबंद कर लिया है। इस पर अजय राय ने नाराजगी जाहिर की है। अब उनकी पत्नी रीना राय ने भी एक वीडियो बनाकर पति की जान को खतरा जताया है। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में रीना राय ने कहा- 'मेरे पति की आवाज दबाने के लिए भाजपा सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार है। पुलिस जीप में ले जाने के बाद अब हमारे सहयोगियों को गलत जानकारियां देकर भटकाया जा रहा है। चढ़ावा चोरों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी इस अधर्मी भाजपा सरकार की होगी।'

### प्रतिनिधिमंडल में ये कांग्रेस नेता शामिल

इससे पहले अजय राय ने खुद को नजरबंद किए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वे मंदिर भी नहीं जा सकते हैं। दर्शन के लिए भी हमको सरकार रोक रही है। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा (अमेठी), राकेश राठौर (सीतापुर), उज्ज्वल रमन सिंह (प्रयागराज) और तनुज पुनिया (बाराबंकी) शामिल हैं। इनके अलावा, बाराबंकी के पूर्व सांसद एसपी गौतम, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, महाराजगंज के पूर्व विधायक वीरेंद्र चौधरी और बाराबंकी की पूर्व विधायक मीता गौतम भी दर्शन करने अयोध्या आए हैं।

### भले जेल जाना पड़े पर दर्शन करने जाएंगेः अजय राय

अजय राय का कहना है कि वह हर हाल में राम मंदिर दर्शन करने जाएंगे। इसके लिए भले ही उनको जेल जाना पड़े या फिर अन्न त्याग करना पड़े। वह अपने साथियों के साथ राम मंदिर में दर्शन करना चाहते हैं।

### 'केजरीवाल को दर्शन करने से क्यों नहीं रोका गया'

अजय राय ने यह भी कहा कि दो दिन पहले दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल अयोध्या आए थे तब उनको राम मंदिर में दर्शन करने दिया गया था तो हमको क्यों रोका जा रहा है। भाजपा जानबूझकर ऐसा कर रही है। हम केवल रामलला के दर्शन करना चाहते हैं और चंदा चोरी के आरोपियों को सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना करना चाहते हैं।

# घर के बाहर सो रहे परिवार को गैस टैंकर ने रौंदा, पिता-बेटे की मौत, बेटी गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**फिरोजाबाद।** मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया. शिकोहाबाद क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में तेज रफ्तार गैस टैंकर सड़क किनारे सो रहे परिवार पर चढ़ गया. हादसे में पिता और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. शिकोहाबाद क्षेत्र के मैनपुरी रोड स्थित मोहम्मदपुर गांव में तेज रफ्तार गैस टैंकर सड़क किनारे घर के बाहर सो रहे परिवार पर चढ़ गया. हादसे में पिता कासिम अली और उनके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह तड़के अरांव रोड की ओर से आ रहा गैस टैंकर अचानक अनियंत्रित हो गया. प्रारंभिक आशंका है कि चालक को झपकी आने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया. बेकाबू टैंकर सीधे सड़क किनारे सो रहे परिवार पर चढ़ गया. इसके बाद टैंकर पास में खड़े एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मारते हुए एक मकान में जा घुसा. हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया. जेसीबी मशीन की सहायता से टैंकर को हटाया गया, जिसके बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला जा सका. पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं गंभीर रूप से घायल बेटी को प्राथमिक उपचार के बाद सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है. उसकी हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं. फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है. प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी. इस हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



# दिल्ली में शुरू हो गया SIR, 13 हजार से ज्यादा BLO की ड्यूटी लगाई गई

**दिल्ली में घर-घर जाकर सत्यापन का पहला चरण 29 जुलाई तक चलेगा और 5 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन होना है**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है. 30 जून से एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने का काम शुरू हो गया है. दिल्ली में एसआईआर के लिए 13 हजार से अधिक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की ड्यूटी लगाई गई है. एसआईआर का यह पहला चरण 29 जुलाई तक चलेगा. इस दौरान केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे और मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म देंगे. हर वोटर को फॉर्म की दो प्रतियां दी जाएंगी. एक प्रति मतदाता के पास रसीद के तौर पर रह जाएगी और दूसरी बीएलओ के पास जमा करानी होगी. इस फॉर्म पर 2002 में हुए एसआईआर के मुताबिक विवरण भरने होंगे. अगर कोई मतदाता ऐसा है, जो 2002 की एसआईआर के समय किसी और राज्य का वोटर था तो वह पुराने राज्य की एसआईआर की डिटेल्स भर सकता है. इस फॉर्म के साथ किसी भी तरह का कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी. हर मतदाता के लिए यह फॉर्म भरना अनिवार्य होगा. दिल्ली की ऐसी सभी राजनीतिक पार्टियां, जिनको मान्यता मिली हुई है, उनके बूथ लेवल एजेंट्स का सहयोग भी एसआईआर में लिया जा रहा है. राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स मतदाताओं को फॉर्म भरने और जमा करने में सहायता करेंगे. मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, दिल्ली के मुताबिक जो मतदाता यह फॉर्म नहीं भरेंगे, उनका नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा. अधिकारियों के मुताबिक सभी बीएलओ को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे सुबह जल्दी और शाम के समय घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें. इसके अलावा बीएलओ शनिवार और रविवार को भी मतदाताओं के घर जाएं, जब अधिकतर लोग घर पर मौजूद होते हैं और उनके मिलने की संभावना अधिक रहती है. बीएलओ को इस बात के निर्देश भी दिए गए हैं कि किसी घर में ताला बंद मिले, तो कम से कम तीन बार वहां जाकर संपर्क का प्रयास करना है. एसआईआर के तहत घर-घर जाकर सत्यापन करने के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 5 अगस्त और अंतिम वोटर लिस्ट का प्रकाशन 7 अक्टूबर को किया जाना है. गौरतलब है कि दिल्ली में कुल 13 हजार 33 मतदान केंद्र हैं. केंद्र शासित प्रदेश में कुल 1 करोड़ 45 लाख मतदाता हैं, जिनमें 77 लाख 11 हजार पुरुष और 67.98 लाख महिला मतदाता शामिल हैं.

# मध्यप्रदेश का फर्जी स्टिकर झंडा... दिल्ली के लाडो सराय से जब्त हुई संदिग्ध SUV

**एसयूवी पर लगे कथित फर्जी 'पार्लियामेंट ऑफ इंडिया' पार्किंग स्टिकर और सांसद के झंडे ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** एक काले रंग की स्कॉर्पियो पर नकली पार्लियामेंट ऑफ इंडिया पार्किंग स्टिकर और सांसद का झंडा लगा देखकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं. जांच के बाद पुलिस ने इस गाड़ी को दक्षिण दिल्ली के लाडो सराय इलाके से जब्त कर लिया है. ये मामला 21 जून का है. हरियाणा के मुरथल में मन्नत हवेली रेस्टोरेंट के पास शाम करीब 5 बजकर 20 मिनट पर इस गाड़ी को देखा गया था. गाड़ी पर 'भारत की संसद' का स्टिकर देखकर वहां मौजूद एक व्यक्ति को शक हुआ. उसने तुरंत इसकी जानकारी संसद भवन के कंट्रोल रूम को दी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं.पुलिस ने जब गाड़ी के नंबर की जांच की, तो पता चला कि संसद की तरफ से इस गाड़ी के लिए कोई आधिकारिक पार्किंग स्टिकर जारी नहीं किया गया था. इसके बाद करीब रात 8 बजकर 45 मिनट पर संदिग्ध एसयूवी को तलाशने के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया. गाड़ी के नंबर और पते की मदद से पुलिस दक्षिण दिल्ली के लाडो सराय इलाके में पहुंची. लाडो सराय में एक घर के बाहर संदिग्ध एसयूवी खड़ी मिल गई. पुलिस के अनुसार, गाड़ी पर उस वक्त भी नकली पार्लियामेंट ऑफ इंडिया का पार्किंग लेबल और सांसद का झंडा लगा हुआ था.

## पुलिस की कार्रवाई

पूछताछ में पता चला कि इस गाड़ी को प्रमोद चौधरी का बेटा देव चौधरी चलाता है. जब पुलिस ने उनसे सांसद से जुड़े होने के दस्तावेज मांगे, तो परिवार कोई भी सबूत नहीं दिखा सका. पुलिस को शक है कि इस नकली स्टिकर और झंडे का इस्तेमाल समाज में रौब दिखाने और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए किया जा रहा था. पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. अब जांच एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि ये नकली स्टिकर और झंडा कहां से लाया गया था.

# दिल्ली में 'फर्जी पुलिसवाला' गिरफ्तार, सिविल डिफेंस का वॉलंटियर बनकर घूम रहा था 'कांस्टेबल', पुलिस ने दबोचा

**दिल्ली पुलिस ने करावल नगर में पुलिसकर्मी बनकर घूम रहे एक सिविल डिफेंस वॉलंटियर को गिरफ्तार किया**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को पुलिसकर्मी बताकर लोगों के बीच घूम रहा था। आरोपी असल में दिल्ली सिविल डिफेंस का वॉलंटियर है, लेकिन उसने दिल्ली पुलिस की वर्दी पहन रखी थी और खुद को पुलिस कांस्टेबल बता रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 28 जून 2026 की रात करीब 9:50 बजे की गई। आरोपी से पूछताछ में कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं। पुलिस अब यह भी पता लगा रही है कि उसने पुलिस की वर्दी और अन्य सामान कहां से हासिल किया और क्या उसने किसी को धोखा देकर फायदा उठाने की कोशिश की थी। पुलिस ने बताया कि AATS, उत्तर-पूर्वी जिला की गश्ती टीम को रात करीब 9:40 बजे गुप्त सूचना मिली थी। सूचना थी कि एसडीएम कार्यालय, नंद नगरी में तैनात एक सिविल डिफेंस वॉलंटियर जवाहर नगर पिकेट के पास पुलिस अधिकारी बनकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम शाहरुख खान बताया। उसने दावा किया कि वह करावल नगर थाने में तैनात दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल है। जब पुलिस ने थाने से जानकारी ली तो पता चला कि उस नाम का कोई पुलिसकर्मी वहां तैनात नहीं है। इसके बाद उसकी सच्चाई सामने आ गई। मामला दर्ज, जांच जारी करावल नगर थाने में एफआईआर संख्या 171/2026 दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 204 और 205 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने केवल वर्दी पहनकर पहचान छिपाई थी या उसने किसी अन्य गैरकानूनी काम को भी अंजाम दिया।

# मैं देवेंद्र फडणवीस का दुश्मन नहीं, हितैषी, पीएम बनना चाहते हैं तो मेरा समर्थन, उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

**शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अगले प्रधानमंत्री के तौर पर समर्थन देंगे उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी से नेताओं का पाला बदलना बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व की चाल थी, ताकि शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) को मजबूत करके फडणवीस के पर कतरे जा सकें**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बागी सांसदों के मतदान क्षेत्र में सभा कर रहे उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हितैषी हैं। यदि फडणवीस प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो वह उनका समर्थन करेंगे। कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने भी उद्धव ठाकरे का समर्थन करते हुए कहा कि मराठी पीएम होना चाहिए। उद्धव ठाकरे पार्टी छोड़ने वाले सभी छह सांसदों के चुनाव क्षेत्र में जाकर सार्वजनिक मीटिंग कर रहे है। उन्होंने कहा कि अगर वह (फडणवीस) सोचते हैं कि मैं उनका दुश्मन हूं, तो बता दूं कि मैं उनका हितैषी हूं। उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि बीजेपी में ऐसी योजना बनाई जा रही है, जिससे 2029 में फडणवीस प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल ही न हो सकें। उद्धव ठाकरे शिरडी में पहुंचे थे। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के शुभचिंतक हैं और अगर वह प्रधानमंत्री बनते हैं तो उनका समर्थन करेंगे। मैं फडणवीस का दुश्मन नहीं, बल्कि शुभचिंतक हूं। अगर फडणवीस प्रधानमंत्री बनते हैं तो हम उन्हें अपना समर्थन देंगे। उन्हें पहले यह

घोषणा करनी चाहिए कि वह प्रधानमंत्री पद की दौड़ में हैं। उद्धव ठाकरे

## 'महाराष्ट्र का कोई गद्दार पीएम पद पर मंजूर नहीं'

उन्होंने दावा किया कि फडणवीस को महाराष्ट्र तक ही सीमित रखने की योजना बनाई जा रही है, क्योंकि बीजेपी के भीतर 2029 के बाद प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इसे लेकर होड़ शुरू हो गई है। शिरडी मंदिर के दौरे के दौरान उद्धव ने कहा कि उन्होंने फडणवीस की कुर्सी सुरक्षित रहने की प्रार्थना की। शिंदे गुट पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री बनता है तो इसमें क्या बुराई है? अगर महाराष्ट्र का कोई नेता - जो गद्दार न हो - प्रधानमंत्री बनता है, तो शिवसेना उसके साथ खड़ी होगी।'

## इशारों में एकनाथ शिंदे पर निशाना

ठाकरे ने कहा कि शिरडी मंदिर की यात्रा के दौरान उन्होंने देवेंद्र फडणवीस की कुर्सी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में बीजेपी खेमे में इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि 2029 के बाद प्रधानमंत्री कौन होगा, जिससे आंतरिक प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। ठाकरे ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि फडणवीस दौड़ में आगे आ सकते हैं, इसलिए उनके मौकों को अभी खत्म कर दिया जाए और उन्हें बांधकर रखा जाए ताकि वह दिल्ली न पहुंच सकें। अगर कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री बनता है तो इसमें क्या गलत है? अगर महाराष्ट्र का कोई नेता - गद्दार नहीं - पीएम बनता है तो शिवसेना उसके साथ खड़ी होगी। उद्धव ठाकरे 'नितिन गडकरी के साथ जैसा हुआ, अब फडणवीस के साथ हो रहा' ठाकरे उन छह सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं जो हाल ही में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सेना में शामिल हुए हैं। सोमवार को वह अहिल्यानगर जिले के शिरडी में थे, जो सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे का निर्वाचन क्षेत्र है। हालिया दलबदल को एक सुनियोजित कदम बताते हुए ठाकरे ने कहा कि शिंदे गुट ने राज्य में बीजेपी से भी ज्यादा अपनी ताकत बढ़ा ली है। उन्होंने दावा किया कि पिछले चुनावों में हमारे नौ सांसद थे, बीजेपी के नौ थे और शिंदे सेना के सात थे। हमारे सांसदों को तोड़कर उन्होंने अपनी संख्या बढ़ा ली है। कल, जब नेतृत्व का सवाल उठेगा, तो वे कह सकते हैं कि फडणवीस के नेतृत्व में बीजेपी को केवल नौ सीटें मिलीं, जबकि उनके पास अधिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फडणवीस के पर कतरे जा रहे हैं। ठीक वैसा ही जैसा उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ होने का आरोप लगाया था। भावुक अंदाज में उद्धव ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुप न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिंजरे में बंद मुर्गियों की तरह मत रहिए।

# उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका, सचिन अहीर शिवसेना में शामिल, बने डिप्टी स्पीकर के लिए किया नामांकन

**मुंबई में सबसे भरोसेमंद लोगों में शामिल सचिन अहीर शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को एक और झटका लगा है। यूबीटी के विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। उन्होंने विधान परिषद में डिप्टी स्पीकर पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। वरली से आदित्य ठाकरे की जीत में सचिन अहीर की बड़ी भूमिका मानी गई थी। सचिन अहीर को मुंबई की पॉलिटिक्स में उद्धव ठाकरे का सबसे ज्यादा विश्वासपात्र माना जाता था। अभी तक महाराष्ट्र में विधानपरिषद की उपसभापति नीलम गोरहे थीं। उनक कार्यकाल पूरा होने के बार शिवसेना ने सचिन अहीर का नामांकन दाखिल कराया है। सचिन अहीर (54) ने 1993 में राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के साथ अपना काम शुरू

किया। सचिव पद पर रहने के बाद में संघ के अध्यक्ष चुने गए। इसके बाद सचिन अहिर 1996 से महाराष्ट्र राज्य राष्ट्रीय कामगार संघ के भी प्रमुख रहे हैं। उन्होंने मझगांव डॉक, महिंद्रा एंड महिंद्रा यूनियन आदि का भी नेतृत्व किया। उन्होंने इन सभी उद्योगों में मजदूरों के वेतन वृद्धि के समझौते करवाकर मजदूर आंदोलन को भी प्रभावित किया। इससे वह बड़ा नाम हासिल किया। वह इसके बाद 1999 से 2019 तक एनसीपी में रहे। शिवसेना में आने के बाद वर्ली सीट छोड़ी थी। वह मुंबई अंडरवर्ल्ड में डैडी का खिताब रखने वाले अरुण गवली रिश्ते में सचिन अहीर मामा हैं।

## कौन हैं सचिन अहीर

वह 21 मार्च, 1972 को जन्मे सचिन अहिर मुंबई में दही हांडी फेस्टिवल के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी पत्नी के साथ श्री संकल्प प्रतिष्ठान चलाते हैं। यह प्रतिष्ठान पूरे वर्ली में बेहद पॉपुलर है। सचिन अहिर वर्तमान में महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। इससे पहले वह तीन बार विधायकी का चुनाव भी जीत चुके हैं।

# बारिश में डूबी नवी मुंबई, सड़कें बनी दरिया डेढ़ फीट पानी ने खोली ड्रेनेज सिस्टम की पोल

**नवी मुंबई में मंगलवार सुबह हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हुआ. काफी परेशानी का सामना करना पड़ा**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. मंगलवार सुबह तेज़ बारिश की वजह से कई इलाकों में भारी जलभराव हुआ और पानी में डूबी सड़कें दरिया जैसी नज़र आने लगीं. तुर्भे इलाके में रेजिडेंशियल सोसाइटियों की पार्किंग में बारिश का पानी भर गया. भारी बारिश के कारण सानपाड़ा इलाके से APMC रोड तक पानी भर गया. इस रोड पर करीब डेढ़ फीट तक पानी जमा होने से लोगों को पैदल चलने में काफी परेशानी हुई. बताया जा रहा है कि नालियों की सफाई ठीक से न होने की वजह से पानी तेज़ी से नहीं निकल पाया और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई. यह दूसरी बारिश है, जब नवी मुंबई की सड़कें पानी में डूबी हैं. लोगों का कहना है कि म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन समय पर नालियां साफ नहीं करवाता, जिसकी वजह से हर बारिश में यही हाल होता है. पार्किंग, घरों के आसपास और मुख्य सड़कों पर पानी भरने से रोज़मर्रा की ज़िंदगी प्रभावित होती है. भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के इलाकों के लिए गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है. 30 जून को सुबह 8 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, आज पूरे दिन भारी बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है. पिछले 24 घंटों में मुंबई में मध्यम बारिश दर्ज की गई है. पूर्वी उपनगरों में सबसे ज़्यादा 40.62 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि द्वीप शहर में 26.03 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 22.47 मिलीमीटर बारिश हुई है.

## मॉनसून एक्टिव... मुंबई में आज भी भारी बारिश, 6 जुलाई तक मौसम विभाग का अलर्ट

बता दें कि भारी बारिश और पानी भरने की वजह से सुबह पीक टाइम में मुंबई की सड़कों पर ट्रैफिक की रफ्तार सुस्त रही. हालांकि, लोकल ट्रेनों पर असर नहीं पड़ा.नवी मुंबई के लोगों ने प्रशासन से नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था सुधारने की मांग की है. उन्होंने कहा कि हर मॉनसून में जलभराव की समस्या सामने आती है.

# दिल्ली में स्ट्रीट डॉग्स की होगी अपनी 'डिजिटल पहचान', मिलेगी 15 अंकों की यूनीक आईडी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** खुले घूमते जानवरों और स्ट्रीट डॉग्स को माइक्रोचिप लगने के बाद 15 अंकों का यूनीक आईडी मिलेगा। इनकी सही संख्या का पता लगाने के लिए भारत सरकार द्वारा भारतीय पशुधन पोर्टल लॉन्च किया गया है। एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली सरकार उनकी नोडल एजेंसी है। पोर्टल का लॉगइन आईडी देने का काम एनिमल हसबैंड्री डिपार्टमेंट का है। अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा प्रोजेक्ट 4 साल तक चलेगा। इसके ऊपर 60 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। जैसे ही कोई सरकारी या गैर सरकारी कंपनी या संस्था यह धनराशि खर्च करने के लिए तैयार होगी। प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया जाएगा। एमसीडी ने दिल्ली में स्ट्रीट डॉग्स की आबादी कंट्रोल करने के लिए अलग-अलग 20 एनजीओ को स्ट्रीट डॉग्स के स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन का काम सौंपा है। बावजूद इसके दिल्ली में स्ट्रीट डॉग्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्ट्रीट डॉग्स की संख्या सही तरीके से कंट्रोल करने के लिए एमसीडी का पशु विभाग स्ट्रीट डॉग्स को माइक्रोचिप लगाने की योजना पर काम कर रहा है। पशु विभाग के तहत 13 संस्थाएं मिलकर 20 स्टरलाइजेशन सेंटर और वैक्सीनेशन सेंटर चलाए जा रही हैं। जिस भी स्ट्रीट

डॉग को स्टरलाइजेशन के लिए सेंटर लाया जाएगा, उसी दौरान उसे माइक्रोचिप लगा दी जाएगी।अधिकारी ने बताया कि स्ट्रीट डॉग्स के कान पर एक ISO-प्रमाणित माइक्रोचिप लगाई जाएगी। सड़क पर चिप नहीं लगा सकते। इसलिए उन्हें कैटल पॉइंट पर लाया जाता है। फिलहाल दिल्ली में एमसीडी मालवीय नगर, तिमारपुर और नजफगढ़ में तीन सेंटर ऐसे हैं जहां टैग लगाए जाते हैं।

## ID में होगी पूरी डिटेल

माइक्रोचिप में प्रत्येक स्ट्रीट डॉग्स की एक विशिष्ट पहचान होगी। इस में पूरी डिटेल होगी। मसलन, कुत्ते की अनुमानित आयु, रंग और पहचान, किस वार्ड या इलाके से पकड़ा गया, नसबंदी की स्थिति, रेबीज वैक्सीनेशन की तारीख, अगला वैक्सीनेशन कब होना है और संबंधित एनजीओ का नाम भी दर्ज होगा।

# प्लास्टिक रिवॉल्वर के दम पर लूट की कोशिश, हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

**ज्वेलरी शॉप में प्लास्टिक की रिवॉल्वर दिखाकर लूट की कोशिश करने वाले हिस्ट्रीशीटर कन्नन मुरुगेश थेवर को पुलिस ने वारदात के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पालघर।** एक ज्वेलरी शॉप में लूट की नाकाम कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार आरोपी ने प्लास्टिक की रिवॉल्वर दिखाकर दुकानदार को धमकाया था. अधिकारियों ने बताया कि वारदात के महज 48 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 25 जून की दोपहर नालासोपारा ईस्ट के नागिंदास पाडा स्थित एक ज्वेलरी शॉप में हुई थी. आरोपी कन्नन मुरुगेश थेवर अपने एक साथी के साथ दुकान में घुसा और सोने के गहने लूटने की कोशिश की. इस दौरान उसने दुकान के मालिक को प्लास्टिक की रिवॉल्वर दिखाकर डराने और लूट को अंजाम देने का प्रयास किया. हालांकि उनकी योजना सफल नहीं हो सकी.

## पहले भी आरोपी कर चुका है कई अपराध

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की. जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान की. इसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी कन्नन मुरुगेश थेवर का पता लगाकर उसे पड़ोसी शहर मुंबई के वडाला इलाके से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब उसके फरार साथी की तलाश में जुटी है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कन्नन मुरुगेश थेवर आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी लूट के कई मामले दर्ज हैं. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी पर पहले महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है. फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस वारदात में और कौन-कौन शामिल था तथा क्या उसने इसी तरह की अन्य घटनाओं को भी अंजाम दिया है.

# गाड़ी मालिकों की बल्ले-बल्ले! पुराना ट्रक-बस कबाड़ में दें, नए वाहन पर पाएं 100 फीसदी रोड टैक्स छूट और 8 प्रतिशत डिस्काउंट

**दिल्ली NCR में पुराने BSy और उससे पुराने ट्रक-बस स्क्रैप करने पर नए स्वच्छ ईंधन वाले कमर्शियल वाहन खरीदने के लिए 100 प्रतिशत रोड टैक्स छूट देने की तैयारी है**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। जल्द ही दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान पुराने प्रदूषण फैलाने वाले ट्रक और बसों की जगह नए स्वच्छ ईंधन वाले वाहन खरीदने पर 100' मोटर व्हीकल टैक्स (रोड टैक्स) में छूट देने की घोषणा कर सकते हैं। यह लाभ उन वाहन मालिकों को मिलेगा जो अपने पुराने बीएस-4 या उससे पुराने कमर्शियल वाहन स्क्रैप कर नए बीएस-6, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या अन्य कम प्रदूषण वाले वाहन खरीदेंगे। केंद्र सरकार की 'परिवर्तन' योजना का उद्देश्य NCR में पुराने भारी वाहनों की संख्या कम करना और हवा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दी थी। योजना के तहत राज्यों से टैक्स में राहत देने और वाहन मालिकों को आर्थिक मदद पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

## क्या मिलेगा फायदा?

नए स्वच्छ ईंधन वाले ट्रक और बस खरीदने पर

100' रोड टैक्स छूट देने की तैयारी है।कुछ मामलों में इस्तेमाल किए गए बीएस-6, सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी टैक्स में रियायत मिल सकती है। योजना का मकसद पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को तेजी से सड़कों से हटाना है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव महमूद अहमद ने बताया कि कई वाहन कंपनियों के साथ समझौता हुआ है। इसके तहत नए ट्रक और बस खरीदने पर एक्स-शोरूम कीमत पर करीब 8' तक की छूट दी जाएगी। इससे वाहन मालिकों का खर्च और कम होगा। मंत्रालय एनसीआर के कई जिलों में प्रशासन और बैंकों के साथ मिलकर वाहन मालिकों से संपर्क करेगा। उन्हें योजना की जानकारी दी जाएगी और नया वाहन खरीदने के लिए आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश होगी।सरकार का कहना है कि प्रदूषण कम करने के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहन ही एकमात्र समाधान नहीं हैं। बीएस-6, सीएनजी और अन्य स्वच्छ ईंधन वाले वाहनों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

## उत्तर प्रदेश में हादसों का कहर : 9 की मौत, 22 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दो अलग-अलग हादसों ने राज्य को स्तब्ध कर दिया, जिसमें कम से कम 9 लोगों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हो गए। इन दुखद घटनाओं में एक भीषण बस दुर्घटना और तूफान के कारण पेड़ गिरने का हादसा शामिल है। पहला हादसा सुबह मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एक डबल-डेकर स्लीपर बस ट्रक से टकरा गई। राया पुलिस स्टेशन इलाके में हुई भीषण टक्कर में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से नोएडा जा रही बस में करीब 65 यात्री सवार थे। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, वहीं हादसे के कारणों की जांच जारी है। एक अलग और उतनी ही हृदय विदारक घटना में, फिरोजाबाद जिले में एक ई-रिक्शा पर अचानक एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। यह हादसा तब हुआ जब एटा ज़िले के आवागढ़ से फरिहा जा रहे ई-रिक्शा पर ज़ोरदार तूफान के दौरान सड़क किनारे खड़ा पेड़ आ गिरा, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पेड़ गिरने से ई-रिक्शा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार सभी आठ यात्री अंदर ही फंस गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से पेड़ को हटाकर पीड़ितों को बाहर निकाला। घायलों को सरकारी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) और गंगा सिंह (65) नामक पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। तीन घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## स्कूल बस पर गिरा विशाल पेड़, छात्रा की मौत, 10 बच्चे घायल

### -चेंबूर में बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्कूल बस पेड़ के नीचे खड़ी थी। बस में कुल 13 छात्र सवार थे। इसी दौरान लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण कमजोर हो चुका एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ गिरने के बाद बस के भीतर कई छात्र फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस, दमकल विभाग और बचाव टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने पेड़ को काटकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान भारी मशीनों और उपकरणों की मदद ली गई। हादसे में घायल बच्चों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जैन अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि अन्य बच्चों का उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी संबंधित अधिकारियों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इलाके के पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई तथा रखरखाव को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता किशोरी पेडणेकर ने पेड़ों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पहले कमजोर और पुराने पेड़ों की जांच तथा छंटाई अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित क्षेत्र के उद्यान विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और रखरखाव से इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था। लगातार हो रही बारिश के बीच मुंबई में पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं।

## शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जारी : यूबीटी के एमएलसी सचिन अहीर पाला बदलकर शिंदे गुट में

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हुए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर भरा है। इस नए घटनाक्रम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे की राजनीतिक रणनीति को फिर सुर्खियों में ला दिया है। उनकी रणनीति को अक्सर ऑपरेशन टाइगर के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत वे लगातार उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) सहित अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को अपनी ओर खींच रहे हैं। सचिन अहीर के पाला बदलने से महाराष्ट्र की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है और यह उद्धव ठाकरे के लिए एक और चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को एकजुट रखने का दबाव उन पर बढ़ता जा रहा है।

## हाईकोर्ट जाइएज्भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे। वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई।

# शरद पवार-कांग्रेस विलय: 27 साल बाद कांग्रेस में 'घर वापसी', शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा !

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है।

### 27 साल बाद 'घर वापसी' की तैयारी?

सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

### हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फ़ैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताकत उसे NDA का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है।

### एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी NDA के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

## खामेनेई की मौत : प्रियंका चतुर्वेदी और कंचन गुप्ता के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने के बाद भी भारत में उनकी मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता के बीच मामले पर तीखी बहस छिड़ गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत सरकार पर खामेनेई की मौत पर आधिकारिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया है, जबकि कंचन गुप्ता ने गलत जानकारी बताकर पलटवार किया है। कंचन गुप्ता ने पोस्ट कर शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 28 फरवरी को अपने ईरानी समकक्ष से बात की थी, जिस दिन पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था। इसके अतिरिक्त, विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास का दौरा किया था, तभी जब दूतावास ने शोक-संदेश पुस्तिका खोली थी। गुप्ता ने कहा कि ये दोनों बातें सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और विदेश मामलों में गहरी रुचि रखने वाली पूर्व सांसद के लिए अपनी बात को सही साबित करने के लिए मनगढ़ंत तथ्य गढ़ना शोभा नहीं देता। जवाब में, प्रियंका चतुर्वेदी ने कंचन गुप्ता के बयान को आधी-अधूरी बात बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मूल पोस्ट खामेनेई की मौत पर भारत सरकार द्वारा शोक व्यक्त न करने के बारे में थी। उन्होंने 28 फरवरी को जयशंकर के उस ट्वीट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात करके संयम बरतने की अपील की थी, लेकिन खामेनेई की मौत के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा था। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक विदेश सचिव ने शोक संदेश वाली किताब में संदेश नहीं लिखा, तब तक भारत सरकार ने उनकी मौत पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 1 मार्च को नेतन्याहू से बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें खामेनेई की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

## अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमले से अंतरराष्ट्रीय निंदा, भारत ने दिया कड़ा संदेश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए हवाई हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा की है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने पुष्टि की कि कई घरों को निशाना बनाया गया, जिससे मरने वालों में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने घटना पर गहरी चिंता जताकर नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सभी पक्षों से हिंसा छोड़कर कूटनीति का रास्ता अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने की अपील की। यूरोपीय संघ ने भी संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक रिचर्ड बेनेट ने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की, जबकि ब्रिटेन के विशेष दूत रिचर्ड लिंडसे ने बढ़ती हिंसा पर दुख व्यक्त कर शांति की अपील की।

इस बीच, भारत ने पाकिस्तान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पाकिस्तान की खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन जताकर और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जवाबी कार्रवाई में, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के चार्जे डी' अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और नागरिकों के घरों पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। अफगानिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के लिए लंबे समय से अफगानिस्तान को दोषी ठहरा रहा है, और सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि बातचीत से समाधान निकालने का आग्रह किया।

# राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

### -सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- '2024 में अयोध्या ने सबक सिखाया, लेकिन भाजपा ने नहीं सीखा'

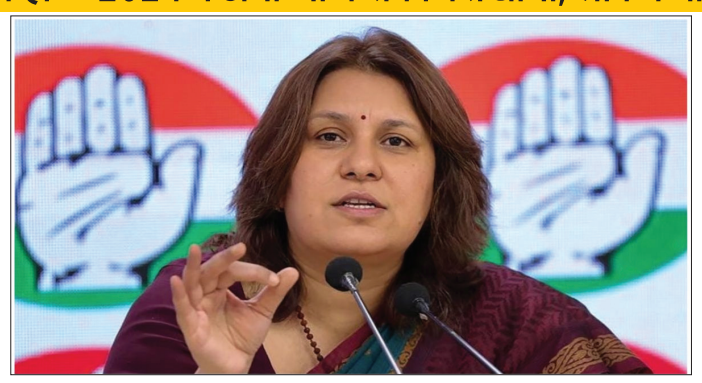

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारा लगातार गरमाता जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मामले में सफाई देने और स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है, वहीं विपक्षी दल केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बने हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि भगवान राम स्वयं सब देख रहे हैं और इस मामले को लेकर विपक्ष को बोलने की आवश्यकता नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने बयान में कहा, भाजपा हिंदू समाज में उत्पन्न नाराजगी और आक्रोश को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सब देखते हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या की जनता ने भाजपा को हराकर एक संदेश दिया था, लेकिन पार्टी ने उससे कोई सबक नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों ने भगवान राम की भावनाओं को समझने में भूल की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रावण ने भगवान राम को कमतर आंकने की गलती की थी, उसी प्रकार भाजपा ने भी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा, कथित अनियमितताओं के मामले में लीपापोती या जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच और गिरफ्तारियों को लेकर हाल के दिनों में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा की ओर से विभिन्न स्तरों पर सफाई दी जा रही है।

## राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती सख्त, कार्रवाई और सिस्टम बदलने की मांग

**लखनऊ (एजेंसी)।** बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और साथ ही मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने को भी अनुचित बताया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसी शिकायतों को रोकने के लिए देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में जारी अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया, ताकि मामले को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। उन्होंने अपराध, राजनीति और धर्म को आपस में न मिलाने की चेतावनी देकर कहा कि यही उचित होगा और संविधान के अनुरूप होगा। यह बयान अयोध्या पुलिस और राज्य सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की चल रही जांच के बीच आया है। मामले में अब तक दान की नकदी की गिनती से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, मंदिर प्रबंधन से जुड़े उच्च-स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

इस बीच, पुलिस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने उनसे प्रशासनिक फैसलों और दान के प्रबंधन से जुड़े कई अहम सवाल पूछे। चंपत राय ने दान की चोरी में अपनी भूमिका से इंकार किया है। पुलिस अब उनके बयान की तुलना अन्य गवाहों और सबूतों से करेगी। एसआईटी जुलाई के पहले सप्ताह में अपनी जांच पूरी कर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

# चुनाव के बाद टीएमसी में बगावत.... खुद को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

### -वेणुगोपाल ने दिए संगठन को मजबूत करने के आदेश

**कोलकाता (एजेंसी)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने हाल ही में पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा कर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने राज्य के नेताओं को आगामी विधानसभा उपचुनावों और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के निर्देश दिए है। यह दौरा राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने दौरे के दौरान जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों और पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में हालिया चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा हुई और पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक हालात पर गंभीर चर्चा हुई। इन महत्वपूर्ण बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर, पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, पार्टी सचिव अंबा प्रसाद सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। बैठकों में कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनने पर जोर दिया गया। वेणुगोपाल ने बूथ और प्रखंड स्तर की समितियों को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी विधानसभा उपचुनावों के साथ-साथ नगर पालिका व नगर निगम चुनावों के लिए संगठन को पूरी तरह तैयार करने पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि पार्टी को जनता के बीच अपनी उपस्थिति और पकड़ को मजबूत करना होगा। पार्टी ने आगामी 21 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस के प्रस्तावित 'शहीद मीनार चलो' कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से इसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। इसके अतिरिक्त, वेणुगोपाल ने प्रदेश इकाई से देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और 9 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाली इसकी समापन रैली के लिए विद्यार्थियों और युवाओं को एकजुट करने का भी आग्रह किया। यह सभी प्रयास पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के पुनरुत्थान और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

# आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल जमानत नहीं, गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर विचार

### -राजस्थान सरकार तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम बापू की जमानत याचिका पर तत्काल कोई राहत देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की बेंच ने राजस्थान सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आसाराम ने जोधपुर में नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि वह राज्य का पक्ष सुने बिना या जब तक आसाराम की सेहत स्पष्ट रूप से बेहद गंभीर न हो जाए, जमानत देने के पक्ष में नहीं है।

यह मामला अगस्त 2013 का है, जब आरोप लगा था कि आसाराम बापू के जोधपुर आश्रम में नाबालिग भक्त को गलत तरीके से बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया था। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू को रेप और संबंधित अपराधों के लिए दोषी माना था, जिसकी सजा को साल 2026 मई में राजस्थान हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने आपराधिक साजिश और गैंग रेप के आरोपों से आसाराम और सह-आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

आसाराम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से उनकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करने की अपील की। वकील नायडू ने बताया कि आसाराम अब 90 साल के हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रायल को लेकर चिंता जताकर कोर्ट को ही अपनी एकमात्र उम्मीद बताया।

राजस्थान सरकार के वकील ने किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग पीड़िता से जुड़ा है और आसाराम को आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर उन्हें जमानत पर रिहा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में निर्देश दिया कि आसाराम को दी जा रही मेडिकल सुविधाएं जारी रह सकती हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत के सवाल पर राज्य का पक्ष सुनने के बाद ही विचार होगा। हालांकि, कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि अगर आसाराम की तबीयत बेहद गंभीर हो जाती है और जान बचाने की नौबत आती है, तब तत्काल राहत के लिए मामले का उल्लेख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

# सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो: गुजरात हाईकोर्ट

**गांधीनगर (एजेंसी)।** गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गईं।

गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती।

यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

## एचडीएफसी बैंक ने आयुक्त राजीव कुमार को बनाया नया पार्ट-टाइम चेयरमैन

**अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद हुआ बड़ा फेरबदल, RBI की अंतिम मंजूरी का इंतजार**

**नई दिल्ली ।**

श के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की गई है, जहां पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार बैंक के नए पार्ट-टाइम चेयरमैन का पद संभालेंगे। इस हाई-प्रोफाइल नियुक्ति ने बैंकिंग और कॉर्पोरेट जगत को चौंका दिया है, खासकर पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस साल मार्च में नैतिक चिंताओं के कारण अचानक इस्तीफे के बाद। बैंक के बोर्ड ने सोमवार को राजीव कुमार को 30 जून से आगामी चार साल के लिए एडिशनल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और पार्ट-टाइम चेयरमैन के रूप में मंजूरी दी है। बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि उन पर कोई कानूनी रोक नहीं है, हालांकि अब पूरी इंडस्ट्री की नजरें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं। राजीव कुमार का वित्तीय और प्रशासनिक करियर बेहद कड़क रहा है। उन्होंने बतौर मुख्य चुनाव आयुक्त दुनिया का सबसे बड़ा आम चुनाव संपन्न कराया है। केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में (2017-2020), उन्होंने सरकारी बैंकों को एनपीए संकट, पूंजी की कमी और नोटबंदी के बाद की चुनौतियों से उबारा। उनके कार्यकाल में फर्जी कंपनियों के खाते फ्रीज किए गए और फोर-आर रणनीति से बैंकिंग सिस्टम मजबूत किया, जिसमें बैंकों का ऐतिहासिक विलय भी शामिल था।

## कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे, फिर भी पेट्रोल-डीजल में राहत की उम्मीद कम

**तेल कंपनियां और सरकार कर रहीं पुराना घाटा पूरा**

**नई दिल्ली ।**

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिससे भारत के लिए औसत आयात मूल्य पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद पहली बार 70 डालर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। हालांकि, इस राहत का सीधा फायदा भारतीय उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के रूप में मिलने की संभावना न के बराबर है। इसके पीछे सरकारी तेल कंपनियों और सरकार का एक बड़ा गणित काम कर रहा है। जब वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं, तब भारत में ईंधन के दाम स्थिर रखे गए, जिससे सरकारी तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब क्रूड सस्ता होने पर कंपनियां पहले उस पुराने नुकसान की भरपाई कर रही हैं। वे पेट्रोल पर करीब 5-6 रुपये प्रति लीटर मुनाफा कमा रही हैं, पर डीजल पर उन्हें अभी भी 8-10 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है, जिसे पेट्रोल के लाभ से पाटा जा रहा है। पेट्रोल-डीजल सस्ता न होने का दूसरा बड़ा कारण सरकार है। संकट के दौरान आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र ने मार्च में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इस कटौती से सरकार को हर महीने लगभग 14,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है, जो कुल 1.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सरकार भी अब इस बड़े वित्तीय बोझ को पूरा करने के मूड में है।

## 1 जुलाई से बदलेंगे नियम और बढ़ेंगे खर्चे

**आयकर एलपीजी सब्सिडी, पासपोर्ट और रेल यात्रा से जुड़े कई नियमों में होंगे बदलाव**

**नई दिल्ली।**

30 जून कई वित्तीय और सरकारी कामों को निपटाने का आखिरी दिन है। यदि आपने अभी तक इनकम टैक्स, एलपीजी-ईकेवायसी, पासपोर्ट आवेदन जैसे जरूरी काम पूरे नहीं किए हैं, तो तुरंत कर लें। दरअसल, 1 जुलाई से कुछ नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनके कारण आपको आर्थिक नुकसान या बढ़ी हुई फीस का सामना करना पड़ सकता है। इनकम टैक्स से जुड़ा काम- यदि आपने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया है, तो 30 जून तक आयकर विभाग कुछ मामलों में जांच के लिए नोटिस जारी कर सकता है। रिकॉर्ड में अंतर होने पर यह नोटिस मिल सकता है, जिसका समय पर जवाब देना महत्वपूर्ण है। इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस के ग्राहकों को 30 जून तक ईकेवायसी कराना अनिवार्य है ताकि सब्सिडी जारी रहे। इसे न करने पर आपकी सब्सिडी रुक सकती है। 1 जुलाई से नए पासपोर्ट या नवीनीकरण की फीस बढ़ जाएगी।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 249, निफ्टी 80 अंक गिरा**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक टूटकर 76,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 80.50 अंक नीचे आकर 23,865.75 पर बंद हुआ। था। एक ओर जहां मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली, वहीं लार्जकैप में बिकवाली हावी रही। । निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 230.40 अंक की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 190 अंक बढ़कर 18,863.10 पर था। निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो,

निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज के शेयर गिरे। सेंसेक्स पैक में टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, के शेयर गिरे।

## वैश्विक संकेतों के दम पर बाजार में हल्की बढ़त

**सेंसेक्स ऊपरी स्तर से फिसला निफ्टी 23,900 के करीब**

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार को मामूली बढ़त दर्ज की। इस दौरान निवेशकों ने कुछ सतर्कता बरती, लेकिन सकारात्मक धारणा बनी रही। मंगलवार को निफ्टी 50 3.90 अंक बढ़कर 23,950.15 पर और सेंसेक्स 66.71 अंक चढ़कर 76,795.08 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 0.23 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.48 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि वैश्विक सकारात्मकता ने स्थानीय बाजार को सहारा दिया। हालांकि, एक्सिस डायरेक्ट के हेड ऑफ रिसर्च राजेश पालविया ने पिछले सत्र के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि निफ्टी 50 में मुनाफावसूली देखी गई थी, जिससे यह 110 अंक गिरकर 23,946 पर बंद हुआ और 24,000 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। उन्होंने बताया कि दिन के शुरुआती लाभ बिकवाली के कारण खत्म हो गए, जिसका मुख्य कारण रुपये में कमजोरी और अमेरिका के प्रमुख श्रम बाजार आंकड़ों से पहले निवेशकों की सतर्कता थी।

## ईपीएफओ की ऑनलाइन सेवाएं 1 जुलाई से शुरू

**नई दिल्ली ।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लाखों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। संगठन ने डेटाबेस एकीकरण और सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के चलते अपनी कुछ ऑनलाइन सेवाओं को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। यह व्यवधान 26 जून से शुरू हुआ है और उम्मीद है कि सभी सेवाएं 1 जुलाई से दोबारा शुरू हो जाएंगी। ईपीएफओ ने अपने सदस्यों को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर सूचित किया है कि इस प्रक्रिया के कारण 26 जून से क्लेम सब्मिट करने, पासबुक डाउनलोड करने और नए कर्मचारियों के लिए यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस दौरान ई-पासबुक भी एक्सेस नहीं की जा सकेगी। संगठन ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए बताया कि ये सभी सेवाएं 1 जुलाई से फिर से बहाल हो जाएंगी। ईपीएफओ का मानना है कि अपग्रेडेशन पूरा होने के बाद क्लेम प्रोसेसिंग पहले से अधिक तेज और सुगम होगी, जिससे सदस्यों को बेहतर ऑनलाइन अनुभव मिलेगा और दावों के निपटारे में लगने वाला समय कम होगा। इस दौरान सदस्यों और नियोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने पीएफ से जुड़े लेनदेन की योजना इस अस्थायी व्यवधान को ध्यान में रखकर बनाएं। किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ का हेल्पलाइन नंबर 14470 उपलब्ध रहेगा।

# खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

**गर्मी और आपूर्ति बाधित होने से बढ़े दाम, दिल्ली में टमाटर दोगुना महंगा**

**नई दिल्ली ।**

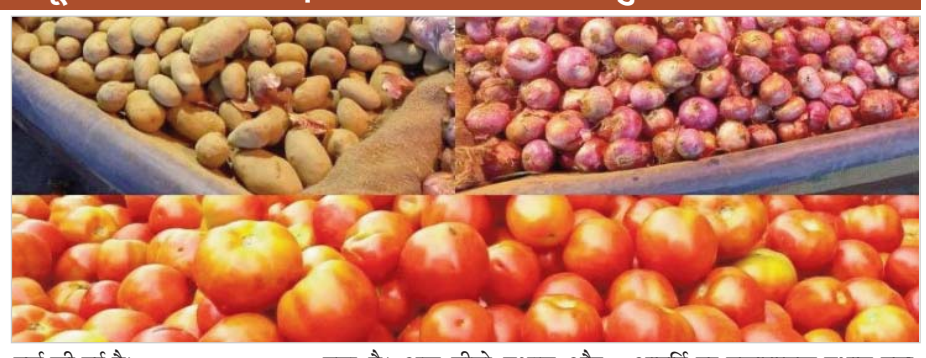

देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है। राजस्थान और हरियाणा से दिल्ली आने वाली टमाटर की आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जानकारों का मानना है कि वर्तमान मौसम और मॉनसून की स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में टमाटर और प्याज की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर देश की समग्र महंगाई दर और विशेषकर खाद्य महंगाई पर पड़ने की संभावना है।

# बीएटी में 9,000 नौकरियों की छंटनी सिगरेट से वेप की ओर शिफ्ट

**तंबाकू दिग्गज का बड़ा पुनर्गठन; लागत घटाने और स्मोक-फ्री उत्पादों पर फोकस**

**नई दिल्ली ।**

दुनिया की प्रमुख तंबाकू कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने वैश्विक स्तर पर लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह फैसला सिगरेट की घटती मांग और कंपनी के व्यापार मॉडल को पारंपरिक तंबाकू से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे स्मोक-फ्री उत्पादों पर केंद्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों को निकालेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा। यह कदम कंपनी के अमेरिका से बाहर के 47,000 कर्मचारियों में से लगभग 20 प्रतिशत को प्रभावित करेगा। इस पुनर्गठन का लक्ष्य 2028 तक सालाना करीब 600 मिलियन पाउंड (लगभग 6,800 करोड़ रुपये) की लागत बचाना है। कंपनी का मानना है कि 2026 तक रेगुलर सिगरेट की वैश्विक बिक्री में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, इसलिए व्यूस और वेलो जैसे नए उत्पादों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है, जिनसे भविष्य की आधी से

ज्यादा आय अर्जित करने का लक्ष्य है। छंटनी के साथ बीएटभ् कई फैक्टरियों को बंद कर रही है और प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व ऑटोमेशन का उपयोग बढ़ा रही है। बीएटी के सीईओ टाडेउ मारोको ने इस कठिन निर्णय पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। एक्सपर्ट्स इसे तंबाकू उद्योग में एक बड़े बदलाव का संकेत मान रहे हैं, जहां स्वास्थ्य जागरूकता और नए विकल्प कंपनियों को अपने व्यापार मॉडल में बड़े फेरबदल करने पर मजबूर कर रहे हैं।

## चीन की अर्थव्यवस्था को एआई हार्डवेयर का सहारा, जून में विनिर्माण बढ़ा

**आधिकारिक पीएमआई मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 हुई**

**हांगकांग ।**

कृत्रिम मेधा (एआई) हार्डवेयर की मजबूत निर्यात मांग के दम पर जून में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 पर पहुंच गया, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत है।

यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहा और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था की चिंताओं के बीच राहत लेकर आया। सर्वेक्षण से पता चला कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक मई के 49.9 से बढ़कर जून में 51.2, और उत्पादन का उप-सूचकांक 51.2 से बढ़कर 51.4 हो गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुख्य सांख्यिकीविद हुओ लिहुई ने कहा कि जून के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में सुधार का रुख दर्शाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि एआई उत्पादों के बढ़ते निर्यात से चीन इस साल के 4.5 से 5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

# दिल्ली कैबिनेट ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी

**प्रदूषण पर लगाम, इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा बढ़ावा**

**नई दिल्ली ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के प्रदूषण पर लगाम कसने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी गई है। यह नीति 1 जुलाई से दिल्ली में लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लक्ष्य दिल्ली को एक स्वच्छ महानगर में बदलना है। इस नीति के तहत, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 30,000 और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 50,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसमें 30 लाख तक के चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुरानी बीएस-आईवी गाड़ियों को स्क्रैप करने पर 10,000 से 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार ने भविष्य की गतिशीलता के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। अगले साल 1 जनवरी से केवल

इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा।

अगले चार सालों में 15,000 करोड़ का निवेश कर 30,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है। नीति अब उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी के लिए भेजी गई है, जिससे दिल्ली में ईवी को अपनाने और वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

## वित्त मंत्री को 9,400 करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड डिविडेंड

**वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सरकारी खजाने में डाली जान**

**नई दिल्ली ।**

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की झोली में वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे से निकली एक बड़ी रकम डाली है। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों और प्रमुखों की मौजूदगी में, इन बैंकों ने कुल मिलाकर 9,400 करोड़ रुपये से अधिक का डिविडेंड सरकार को सौंपा है, जो उनके शानदार प्रदर्शन और सुधरती वित्तीय सेहत का प्रमाण है। इस बंपर भुगतान से न केवल सरकारी खजाने को बल मिला है, बल्कि यह भी साबित हो गया है कि सार्वजनिक बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी है, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपए का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चंद ने वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया की मौजूदगी में यह चेक वित्त मंत्री को दिया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20,021 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है, जिसके फलस्वरूप यह ऐतिहासिक लाभांश संभव हुआ। अन्य प्रमुख बैंकों ने भी सरकारी खजाने को समृद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 2,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक सरकार को सौंपा, जिसके प्रबंध निदेशक अशोक चंद्र ने इसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को प्रदान किया। इसके ठीक पीछे, केनरा बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजों के दम पर 2,397 करोड़ रुपए का चेक देकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इस कतार में इंडियन बैंक ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई, जिसके प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने 1,815 करोड़ रुपए का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को सौंपा। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है।

## रिकॉर्ड मुनाफे से सरकारी बैंकों ने सरकार को दिए 9,400 करोड़

**पिछले वित्त वर्ष के शानदार प्रदर्शन का परिणाम, अकेले बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिए 2,811 करोड़**

**नई दिल्ली ।**

देश के सरकारी बैंकों ने हाल ही में वित्त मंत्रालय के खजाने का रुख किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 9,400 करोड़ रुपए से अधिक का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के उनके रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे का परिणाम है। इस अप्रत्याशित वित्तीय सहयोग से न केवल सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि यह भी साफ हो गया है कि सरकारी बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों ने एक के बाद एक कर डिविडेंड के चेक वित्त मंत्री के हाथों में थमाए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा हिस्सा दिया। बैंक ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में अपने इतिहास का सबसे अधिक 20,021 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है। इस कतार में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी 2,416 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सरकार के हवाले किया। इसके ठीक पीछे केनरा बैंक ने भी 2,397 करोड़ का भारी-भरकम चेक सौंपकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इंडियन बैंक ने भी 1,815 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को प्रदान किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है, जिससे केंद्र सरकार को, जो इन बैंकों की सबसे बड़ी शेयरधारक है, यह बंपर रिटर्न मिला है।

# भारतीय उद्योग में तेजी, मई में आईआईपी ग्रोथ 5.1 फीसदी पर पहुंची

**नई दिल्ली।**

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत में, मई महीने में देश की औद्योगिक गतिविधियों ने ज़ोर पकड़ा है। फैक्ट्रियों का उत्पादन मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गया है, जो अप्रैल के 4.9 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन को जाता है, जो उद्योगों में निरंतर मजबूती को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, कंप्यूटर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं, बिजली और गैस सप्लाई सेक्टर में 9.9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन 18त्न बढ़ा। एंटीक ब्रोकिंग के मुताबिक, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन 12.9 फीसदी बढ़ा, जो कंपनियों के बढ़ते निवेश का स्पष्ट संकेत है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) में भी 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि, कुछ चिंताएं भी बरकरार हैं। मई में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन 1.6 फीसदी घट गया। इसके अतिरिक्त, कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका के चलते ग्रामीण मांग पर चिंताएं बनी हुई हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी की गणना पद्धति में भी बदलाव किया गया है, जिसमें अब थोक मूल्य सूचकांक की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का उपयोग होगा।

कुल मिलाकर, मजबूत औद्योगिक गतिविधियों के साथ, निवेश में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

# ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

**जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।**

## सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

## बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

## मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

## फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

## सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

## लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

## रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

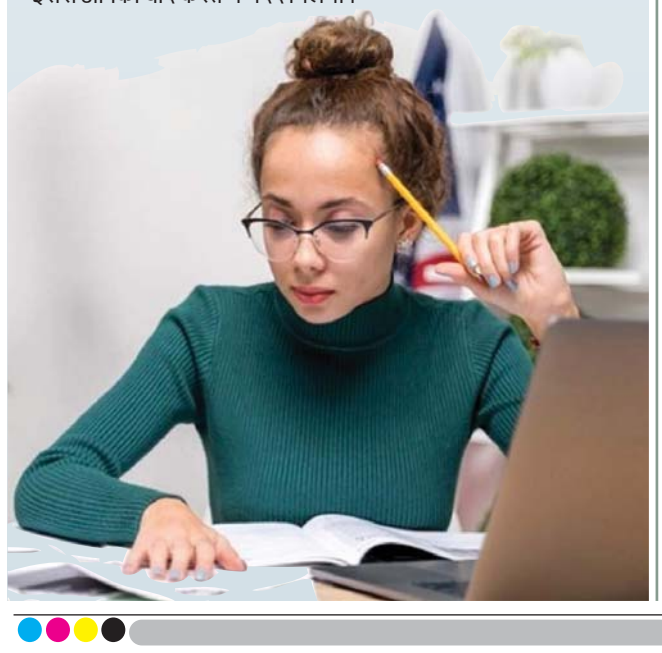

# डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

## क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

## शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

## व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

## संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

## आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

### प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

# कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

**उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।**

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

## कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

**प्रक्रिया का पहला चरण**– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

**दूसरा कदम**– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

**तीसरा कदम**– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत : हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

**चौथा कदम**– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

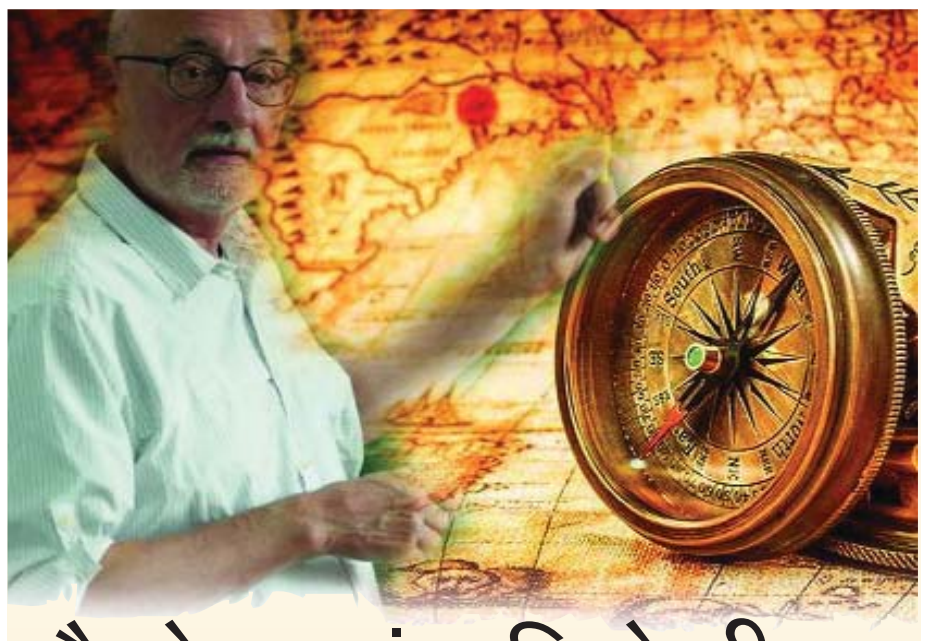

# कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

**कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।**

## क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

## शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

## व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

## संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

### प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

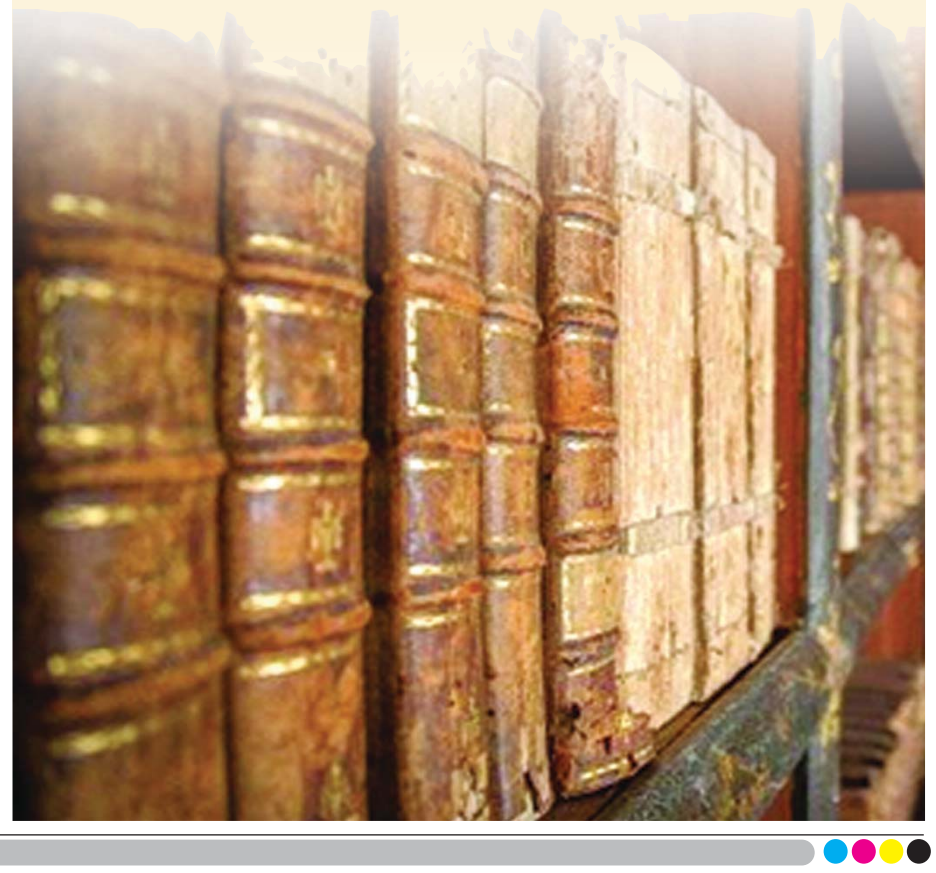

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



# फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

**मैक्सिको (एजेंसी)।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

### पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

### गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

### अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

### टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों

के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

## न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

**स्पोर्ट्स डेस्क।** टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

### टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

### भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

### 'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

### बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

## फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4-3 से हराकर किया हैरान

**बोस्टन (एजेंसी)।** पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावर्ट्ज़ के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

## इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

**-वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर**

**चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)।** श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार

के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**भारत-** श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

**इंग्लैंड-** हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

## हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोघणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

## विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

**लंदन (एजेंसी)।** इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को

शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

## एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

**-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी**

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

**टीम इस प्रकार है-** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

### महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

## स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।卐 उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 卐एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

## आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

**-सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची**

**दुबई (एजेंसी)।** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

# हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

# सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय

## मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

बातचीत में मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

### ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

### मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है। साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

### 'अब होगा हिसाब' में नजर आईं मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

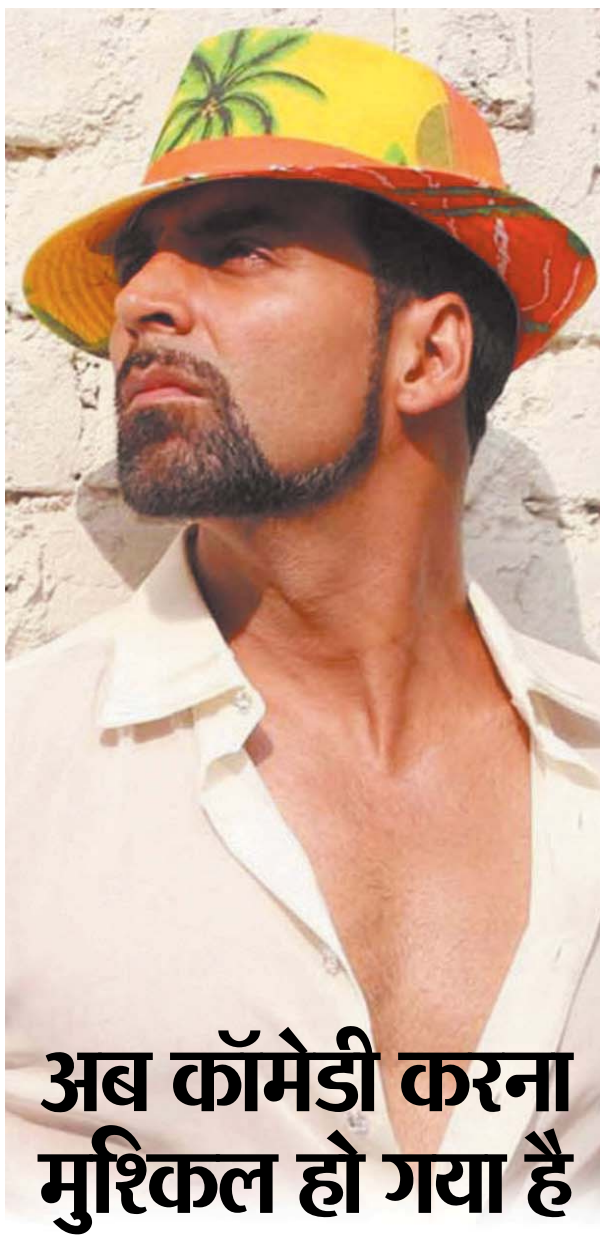

# अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं।

आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लैपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं। अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है।

# इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

### कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

# सुपर सुब्बू का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव मार्कापुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।

सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

# किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

### इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

### सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

### दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

### शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

### क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।

## संक्षिप्त समाचार

### युद्धविराम उल्लंघन पर ईयू की चिंता, पाकिस्तान से कहा– बातचीत के रास्ते खुले रखें

**ब्रुसेल्स, एजेंसी।** यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रविवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुए युद्धविराम उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की तेजी से बदलती स्थिति पर चर्चा की। कैलास ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचने में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना की, लेकिन कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और संवाद के रास्ते खुले रखने जरूरी हैं। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। उन्होंने सभी पक्षों से युद्धविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। अमेरिका और ईरान ने 18 जून को शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

### इराक में भ्रष्टाचार के आरोप में 5 सांसदों समेत सात गिरफ्तार

**बगदाद, एजेंसी।** इराक में पांच सांसदों समेत सात लोगों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां तेल मंत्रालय के पूर्व उप मंत्री अदनान अल जुमैली के बयान के आधार पर की गईं, जिन्हें पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। ग इराकी न्यूज के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के राजधानी के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन जोन के सभी प्रवेश द्वारों को सील किया और उस परिसर के भीतर छापे मारे, जहां प्रमुख सरकारी संस्थान और विदेशी दूतावास स्थित हैं।

### सोशल मीडिया पर अंकुश के लिए अमेरिका में उठी आवाज

**वाशिंगटन, एजेंसी।** सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में इससे जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की जा रही है। यहां कई पीड़ितों के परिजनों ने एकजुट होकर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मुहिम शुरू की है। उनके प्रयासों से देश के कई हिस्सों में ऐसे बच्चों की याद में स्मृति दिवस भी मनाया गया, जो सोशल मीडिया के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंदोलन धीरे-धीरे टेक कंपनियों की जवाबदेही तय करने की बड़ी ताकत बनता जा रहा है।

### सिंगापुर : श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे आईआईटी के पूर्व छात्र

**सिंगापुर, एजेंसी।** सिंगापुर में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। इसके तहत आईआईटी के पूर्व छात्र सिंगापुर में प्रवासी श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे। आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने अगले दो वर्षों में लगभग 1,000 प्रवासी श्रमिकों को एआई और डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस उद्देश्य के लिए रविवार को आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय उच्चायोग की सक्रिय मदद से यह साझेदारी की गई है। प्रशिक्षण सत्र महीने में दो बार जुरोंग औद्योगिक क्षेत्र के एमडब्ल्यूसी रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त 2026 से होगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और एआई जैसी उभरती तकनीकों को शामिल किया गया है।

### हैती और सीरिया के नागरिकों का टीपीएस खत्म करने के ट्रंप के फैसले से रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हैती और सीरिया के हजारों प्रवासियों का टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) समाप्त करने के फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। जहां होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस फैसले का समर्थन किया, वहीं ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने इसे 'गलत फैसला' करार दिया। रविवार को अलग–अलग टीवी कार्यक्रमों में बातचीत के दौरान मार्कवेन मुलिन ने कहा कि टीपीएस कभी भी स्थायी व्यवस्था नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल सीमित समय के लिए सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने कहा, 'टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस का मकसद कभी स्थायी नहीं था। लाभार्थियों के पास कई विकल्प हैं। वे स्थायी निवास या अस्थायी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपने देश लौट सकते हैं। यदि वे वापस जाना चाहते हैं तो सरकार उनकी मदद करेगी।' मुलिन ने कहा कि स्वदेश लौटने वाले प्रवासियों को सरकार हवाई टिकट के साथ लगभग 2,100 डॉलर की आर्थिक सहायता भी देगी, ताकि वे अपने देश में दोबारा जीवन शुरू कर सकें।

# पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमला, 29 लोगों की मौत



**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान से लगी अपनी सीमा पर हवाई हमले किए, जिसमें 29 लोग मारे गए. डॉन ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान के इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अताउल्लाह तरार ने रविवार रात कहा कि पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर एक अच्छी तरह से प्लान किया हुआ इंटेलिजेंस बेस्ड ग्राउंड ऑपरेशन किया और बॉर्डर इलाके में हमले किए.

मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के अंदर खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) कैंप, कराची के मासूम लोगों के खिलाफ हाल ही में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद की गई. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया कि शनिवार रात कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के प्रांतीय हेडक्वार्टर पर हुए हमले में तीन पाकिस्तानी पैरामिलिट्री के जवान और तीन आतंकवादी मारे गए.

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट में टक्कर मारी थी और पुलिस को ये यह कन्फर्म नहीं कर पाए कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक सफाई अभियान चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स ([illegible]) और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री जवान को पैर में गोली लगने के बाद अस्पताल लाया गया था.

इससे पहले डॉन के मुताबिक इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को भी सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी. उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. यह ग्रुप तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप है, जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह ऐसे समय में हुआ है जब पूरे देश में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है.

**बाजौर में 4, अफगानिस्तान में 25 आतंकी मारे :** अताउल्लाह तरार ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने पर बाजौर जिले में ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खान फरोश समेत चार आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा का बाजौर, अफगानिस्तान से लगा जिला है। इसके बाद अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में तीन अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए गए। वहां 25 आतंकी मारे गए। इन ठिकानों पर रखा हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया।

**पाकिस्तान बोला– नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे :** तरार ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तान पिछले साल से अफगान सीमा और उसके भीतर कई बार हमले कर चुका है। उसका कहना है ये हमले टीटीपी और दूसरे आतंकी संगठनों के ठिकाने किए गए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार टीटीपी के आतंकियों को पनाह देती है।

**खुफिया जानकारी पर आधारित था ऑपरेशन :** पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने स्थानीय मीडिया 'डॉन न्यूज' के हवाले से पुष्टि की है कि यह हमला पूरी तरह से सुनियोजित और खुफिया जानकारी पर आधारित था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने सीमावर्ती इलाकों में उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह ऑपरेशन रविवार की देर रात शुरू हुआ और इसने सीमा के दोनों तरफ हड़कंप मचा दिया है। सूचना मंत्री तरार के अनुसार, यह सख्त कार्रवाई हाल के दिनों में पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुई आतंकी घटनाओं के मद्देनजर की गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और कराची जैसे शहरों में निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि इन हमलों की साजिश सीमा पार से रची जा रही थी, जिसके बाद सरकार ने जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया।

## गैस संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, अब ईरान से है बड़ी उम्मीद



**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान पिछले कुछ वक्त से गैस की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने कहाकि वहां के अधिकांश हिस्सों में इस समय गैस की गंभीर कमी है। उन्होंने आगे कहाकि सरकार संकट के कारण खासकर पंजाब में उपभोक्ताओं को दिन में कुछ घंटे के लिए गैस दे रही है। इस समस्या से निबटने के लिए पाकिस्तान की नजरें अब ईरान की तरफ लगी हुई हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह शांति समझौते का फायदा उठाने की तैयारी में है।

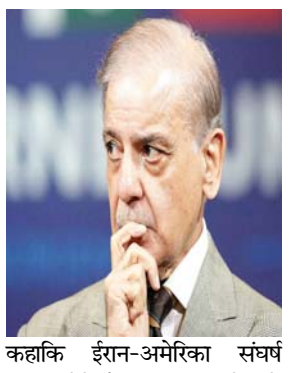

गौरतलब है कि अमेरिका ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंधों को आसान कर दिया है। उसने 60 दिन की छूट जारी की है जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह छूट अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है। इस फैसले के बाद, कई जगहों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठी है ताकि आम जनता को फायदा हो सके।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में कहाकि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहाकि हम ईरान से सस्ते दामों में तेल और गैस आयात करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मलिक ने कहाकि पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों और दायित्वों के अनुसार काम करना जारी रखेगी।

इस दौरान मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ तत्व पेट्रोलियम की कीमतों के बारे में जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की कम कीमतों का फायदा तुरंत जनता तक पहुंचे। अमेरिका-ईरान युद्ध के समय पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कीमतें 414 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई थीं। वर्तमान में, पेट्रोल की कीमत 300 रुपए प्रति लीटर है।

## वेनेजुएला में भूकंप के बाद हुई तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

**काराकस, एजेंसी।** वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए। राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है। काराकास और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें भूकंप के झटके महसूस हुए और कई लोग बिल्डिंग के और गिरने के डर से बाहर भागे। यह भूकंप बुधवार को इस इलाके में दो बड़े भूकंप के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। पिछले हफ्ते 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से बहुत ज्यादा तबाही हुई, जिसमें बिल्डिंग गिरना, भूस्खलन और मौतें शामिल थीं। अधिकारियों को राहत के कामों में तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि बचाव दल तटीय और पहाड़ी इलाकों में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

## फ्रांस में 'स्काइडाइविंग' विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत, सऊदी हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान



**नैंसी (फ्रांस), एजेंसी।** उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. मर्थ-ए-मोसेल क्षेत्र के अधिकारी यवेस सेगुई ने दुर्घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे नैंसी शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारी चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

**हादसे की असली वजह सामने नहीं आई :** फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ. ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी डेटा की जांच के बाद ही दुर्घटना की असली वजह साफ हो पाएगी यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है. गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं. पुलिस ने लोगों से साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट इलाके से पूरी तरह दूर रहने को भी कहा था. पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकालीन सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए रास्ता साफ़ रखने के लिए, घटनास्थल पर न जाएं. उनकी कार्रवाई में सहयोग करने के लिए धन्यवाद।

**सऊदी अरब में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर :** सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी 'अरामको' का एक हेलीकॉप्टर देश के 'रास तनूरा' इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई. हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच चल रही है. 'रास तनूरा' में पश्चिम एशिया क्षेत्र की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे सऊदी अरामको ही चलाती है.सऊदी प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग सऊदी अरब के नागरिक थे. पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोगों सवार थे।

सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

## विश्व युद्ध का खतरा टला? अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

**दोहा , एजेंसी।** पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

**सीजफायर के बाद भी जारी थे हमले :** अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

**कतर में होगी निर्णायक बैठक :** तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

**ट्रंप की चेतावनी :** इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

**होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत :** समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति अभी भी थोड़ी संवेदनशील बनी हुई है।

## लोकतंत्र बहाल करने के लिए लौटूंगी बांग्लादेश: शेख हसीना



**ढाका, एजेंसी।** भारत में लंबे समय से निर्वासन में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वतन वापसी का बड़ा दावा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इसी साल वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वापसी में उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे बांग्लादेश में कानून के शासन, लोकतंत्र और लोगों के राजनीतिक अधिकार की बहाली के लिए वापस जाएंगी। इंटरव्यू के दौरान हसीना ने बांग्लादेश में उनकी पार्टी अवामी लीग पर लगे प्रतिबंधों, अंतरिम सरकार, बांग्लादेश की राजनीति, अपने खिलाफ मौत की सजा, देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और भारत में निर्वासन पर विस्तार से बात की है।

**कार्यकर्ताओं को दिया संदेश :** शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के एक्स हैंडल पर बांग्लादेश वापसी की जानकारी देते हुए पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा कि पार्टी के 77वें साल पर हमारे नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए मेरा संदेश साफ है। एकजुट रहें और लोगों के साथ खड़े रहें। हर गांव, हर मोहल्ले, हर वार्ड और हर यूनियन में लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करें। सताए हुए लोगों का साथ दें।

आगे उन्होंने लिखा कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बच्चों, मेहनतकश लोगों, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा और सम्मान के मामले में कोई समझौता न करें। अवामी लीग की राजनीति बदले की भावना वाली नहीं है। यह अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और विकास की राजनीति है। अवामी लीग लोगों के साथ थी, लोगों के साथ है और लोगों के साथ रहेगी। लोगों की ताकत से अवामी लीग फिर से आगे बढ़ेगी।

**मौत से नहीं डरतीं: शेख हसीना :** मौत की सजा पर शेख हसीना ने बताया कि वे मौत से नहीं डरतीं। उन्होंने बताया कि 1975 में मैंने अपना परिवार खोया है। मुझ पर भी 21 अगस्त को ग्रेनेड से हमला हुआ था। मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची गई, फिर भी मैं लोगों के साथ खड़ी रही। बांग्लादेश की जनता ने मुझे 5 बार देश का प्रधानमंत्री चुना। अपने कार्यकाल में मैंने देश के विकास के लिए बहुत काम किया।

**विपक्ष पर लगाया गंभीर आरोप :** इंटरव्यू में शेख हसीना ने बताया कि उनके खिलाफ कोर्ट से जो फैसला आया था, वह राजनीतिक बदले की भावना से किया गया था। उन्होंने इसे अवामी लीग पार्टी को कमजोर करने और नेतृत्व खत्म करने की साजिश बताया। बांग्लादेश सरकार की मौजूदा व्यवस्था पर भी शेख हसीना ने कई सवाल खड़े किए। हसीना ने सरकार पर आरोप लगाया कि देश का लोकतंत्र कमजोर हो गया है। वहां आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है। कानून का शासन नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था भी कमजोर हुई है। इस दौरान पूरे देश में अल्पसंख्यकों पर लगातेर हमले बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कार्रवाई की गई।

## डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनी: यूरोप में हीटवेव से हुई 1300 से अधिक 'अतिरिक्त' मौतें



**जिनेवा, एजेंसी।** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रियेसस ने यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी (हीटवेव) को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यूरोप में गर्मियों की शुरुआत में आई यह अभूतपूर्व हीटवेव सैकड़ों अतिरिक्त मौतों के लिए जिम्मेदार हो सकती है। रविवार को पूरे महाद्वीप में तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए, और भीषण गर्मी का यह दौर अब पूर्वी यूरोप की ओर भी बढ़ता जा रहा है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट में डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने बताया कि 21 जून के बाद से यूरोप में 'उच्च तापमान से जुड़ी' 1,300 से अधिक अतिरिक्त मौतों के मामले दर्ज किए गए हैं। अनुकूल नहीं हैं इमारतें: टेड्रोस ने कहा कि गर्मी से होने वाले शारीरिक तनाव को अक्सर 'साइलेंट किलर' (खामोश कातिल) कहा जाता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यूरोप के घर, दफ्तर और स्कूल इतने अधिक तापमान को सहने के लिए तैयार नहीं किए गए हैं। दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा यूरोप: उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप पृथ्वी का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यहां तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी है। टूट रहे रिकॉर्ड: यूरोप में पड़ रही इस भीषण गर्मी के कारण जर्मनी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों में भी तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं।

**फ्रांस में सबसे ज्यादा असर, 1000 से अधिक मौतें :** भीषण गर्मी का सबसे घातक असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार हालात बेहद चिंताजनक हैं: बुधवार से अब तक देश में अपेक्षा से करीब 1,000 अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। इन अतिरिक्त मौतों में सबसे बड़ी संख्या 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की है। गर्मी के कारण घरों के भीतर होने वाली मौतों की संख्या में 40 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है।

**डब्ल्यूएचओ की चेतावनी :** विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यह वैश्विक औसत से दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 15 करोड़ लोग भीषण गर्मी में रह रहे हैं। स्कूलों को बंद करना पड़ा है और बिजली ग्रिड फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी भीषण गर्मी और उमस मुमकिन नहीं थी।

**तापमान के टूटे रिकॉर्ड :** जर्मनी, पोलैंड और चेक गणराज्य में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। जर्मनी के नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। चेक गणराज्य में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां पारा 41.9 डिग्री तक चला गया। पोलैंड में भी तापमान 40.5 डिग्री के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.